khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

गुरूवार – 10 अगस्त 2023

वर्ष : 02 – अंक : 291

पृष्ठ-8 मूल्य – 1:00 रूपये

आरएनआई : UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

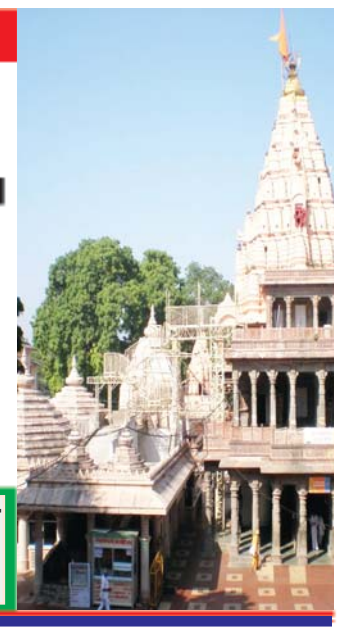

2 मधुरिमा तुली एक उत्कृष्ट पशु प्रेमी हैं, अपनी बिल्ली गबरू ...

3 सपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर किया गया...

5 नगर निकायों, प्राधिकरणों व कई विभागों में 8,170 करोड़ ...

'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी पर हिरासत में लिए गए महात्मा गांधी के परपोते तुषार

मुंबई। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई में हिरासत मे लिया गया है। उन्होंने ट्वीट करके खुद इस बात की पुष्टि की है। उनका दावा है कि वह भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी मनाने के लिए निकले थे लेकिन सांता क्रूज पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। तुषार गांधी ने ट्विटर पर लिखा, आजाद भारत के इतिहास में पहली बार मुझे हिरासत में लिया गया है। मैं 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी मनाने के लिए घर से बाहर निकला था और सांता क्रूज पुलिस स्टेशन में डिटेन कर लिया गया। मुझे अपने दादा-दादी महात्मा गांधी और बा पर गर्व है जिन्हें इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था।

जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट को आगामी पांच सितंबर तक बढ़ाया

जयपुर। राजस्थान में सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके प्रति लोगों को जागरूक करने तथा उनका वास्तविक लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए शुरू की गई जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट को आगामी पांच सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि जनता की उत्सुकतापूर्ण भागीदारी, रुचि एवं उत्साह के दृष्टिगत जनता की भावना के सम्मान में जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट को पांच सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। गहलोत ने कहा आप सभी इस मौके का लाभ लेते हुए रचनात्मक वीडियो बनाएं और रोज़ आकर्षक इनाम पाएं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को जन हितैषी योजनाओं की संपूर्ण जानकारी देने तथा योजनाओं का वास्तविक लाभ आमजन को सम्मानपूर्वक सुनिश्चित रूप से प्रदान करने के लिए गत सात जुलाई से छह अगस्त तक सोशल मीडिया पर ऑनलाइन वीडियो प्रतियोगिता 'जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट' आयोजित की गई।

आज भारत एक स्वर में कह रहा...

Quit India Movement को याद करते हुए पीएम मोदी का विपक्षी दलों पर प्रहार

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाले वीरों को याद किया है। भारत छोड़ो आंदोलन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक ट्वीट किया है। ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। आज भारत एक स्वर में कह रहा है भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। राजवंश भारत छोड़ो। तुष्टीकरण भारत छोड़ो।

वंशवाद के जरिए विपक्ष को घेरा

वंशवाद भारत छोड़ो नारे के जरिए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। दरअसल भारतीय जनता पार्टी हमेशा विपक्षी दलों पर वंशवाद का आरोप लगाती है। पीएम मोदी ने कई बार अपने चुनावी रैलियों में देश की जनता को भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दलों से

दूरियां बनाने की बात कही है।

आंदोलन ने हिला दी थी ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें

भारत की आजादी के लिए 9 अगस्त 1942 का दिन काफी महत्वपूर्ण है। गांधी जी के आह्वान पर देशभर में भारत छोड़ो आंदोलन

ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। आज भारत एक स्वर में कह रहा है भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। राजवंश भारत छोड़ो। तुष्टीकरण भारत छोड़ो।

का बिगुल बज गया था। इस आंदोलन में हर उम्र वर्ग के लोग शामिल हुए। इस आंदोलन में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। भारत छोड़ो आंदोलन को अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। इस आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें हिलाकर रख दी थीं।

उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर गौरीकुंड में मलवे में दबकर दो बच्चों की मौत

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में बुधवार सुबह अतिवृष्टि और भूस्खलन के कारण आए मलवे में दबकर झोंपड़ी में सो रहे दो बच्चों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दोनों बच्चे नेपाल के निवासी थे।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गौरीकुंड गांव में हेलीपैड से आगे एक नेपाली परिवार खेत से आए मलवा की चपेट में आ गया और प्रशासन को तीन बच्चों के दबाने की सूचना प्राप्त हुई थी। इस घटना की जानकारी मिलने पर राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंची एक बच्ची को सकुशल निकाला तथा दो अन्य बच्चों को चिकित्सालय गौरीकुंड पहुंचाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस घटना में तीन ही बच्चों के दबने की सूचना थी, जिसमें बड़ी बच्ची स्वीटी (8) , छोटी लड़की पिंकी (5) तथा एक छोटा बच्चा, जो मलवे में दबे थे। इन सभी को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां स्वीटी का इलाज चल रहा है और उसकी स्थिति ठीक है। वहीं दो अन्य बच्चों को चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। बच्चों का पिता सत्यराज अपने गांव नेपाल जा रखा है, जबकि माता जानकी बच्चों के साथ ही डेरे में सो रही थी। जानकी मलवे आने के बाद डेरे से बाहर सकुशल निकल आई थी, जबकि बच्चे मलबे में दबे रह गए थे।

नासिर और जुनैद का बदला लेने राजस्थान से भी आए दंगाई, नूंह में जमकर आग लगाई

नूंह। 31 जुलाई को नूंह में हुई हिंसा के पीछे भले ही पुलिस अभी तक किसी 'मास्टरमाइंड' की तलाश नहीं कर पाई है, लेकिन यह तो तय है कि दंगाई पहले से इसकी तैयारी में थे। नूंह में आग लगाने वाले सिर्फ स्थानीय लोग नहीं थे बल्कि बाहर से भी आए थे। राजस्थान से भी बड़ी संख्या में दंगाई नूंह पहुंचे थे और जमकर उपद्रव मचाया। बताया जा रहा है कि हिंसा में शामिल रहे राजस्थान के ये आरोपी नासिर और जुनैद की हत्या का बदला लेने के लिए आए थे। इनका मानना था कि कथित तौर पर नासिर और जुनैद की हत्या करने वाले गौरक्षक आरोपियों पर पुलिस ने पर्याप्त ऐक्शन नहीं लिया। राजस्थान के भरतपुर और अलवर से आकर हिंसा करने वाले करीब 20 संदिग्धों को पुलिस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है जबकि करीब 50 की तलाश चल रही है। चार आरोपी घाटमीका के रहने वाले हैं, जोकि नासिर और जुनैद का गांव है। आरोपियों ने पुलिस के सामने कबूल किया है कि बदला लेने के लिए वे नूंह आए थे। वे मोनू मानेसर समेत अन्य गौरक्षकों से वह नासिर और जुनैद की हत्या का बदला लेना चाहते थे। मोनू मानेसर के यात्रा में शामिल होने के ऐलान और दोनों तरफ से सोशल मीडिया पर दी जा रही चुनौतियों के बीच ये आरोपी नूंह पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, एक आरोपी ने पुलिस के सामने कहा कि घटना के कई महीने बाद भी मोनू मानेसर पकड़ा नहीं गया है। कुछ दिन तक अंडरग्राउंड रहने के बाद वह लगातार हम लोगों को चिढ़ा रहा था। सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके चुनौती दी जा रही थी। यात्रा में शामिल होने का ऐलान किया। हमें यह बदले का मौका दिखा और हम आगे बढ़ गए। सूत्रों ने बताया कि आरोपियों ने बदला लेने के लिए एक वॉट्सऐप ग्रुप का भी इस्तेमाल किया। नूंह के

एसपी नरेंद्र बिरजानिया ने कहा है कि पुलिस राजस्थान पुलिस से संपर्क में है और आरोपियों को पकड़ने के लिए मदद ले रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस सहयोग कर रही है और अब तक कई आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में भरतपुर के रहने वाले नासिर और जुनैद की हरियाणा के भिवानी में हत्या कर दी गई थी। 15 फरवरी को लापता हुए पशु व्यापारी नासिर और जुनैद की जली हुई लाश 16 फरवरी को बरामद की गई थी। दोनों को बोलेरो गाड़ी के साथ जला दिया गया था। हत्या का आरोप मोनू मानेसर समेत अन्य गौरक्षकों पर लगा। तब से ही भरतपुर, अलवर से लेकर हरियाणा के कुछ जिलों में तनाव बना हुआ था।

टमाटर के बाद रुलाएगा प्याज ? सप्लाई में कमी की वजह से बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। टमाटर के बाद अब प्याज भी आपके घर का बजट बिगाड़ सकता है। देश की कई बड़ी मंडियों में प्याज की सप्लाई में कमी की वजह से जानकारों का कहना है कि कुछ दिन में प्याज की कीमतें भी आम आदमी को रुला सकती हैं। बता दें कि टमाटर की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं। राजधानी दिल्ली में इन दिनों टमाटर 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। राहत वाली बात यह है कि टमाटर की स्टॉक कम होता है। वहीं सरकार के पास प्याज का लगभग ढाई लाख टन रिजर्व है जो कि समय आने पर खोला जा सकता है। दरअसल टमाटर और प्याज दोनों ही ऐसी सब्जियां हैं जो कि ज्यादार डिशेज बनाने में इस्तेमाल की जाती हैं। किसानों का कहना है कि स्टोर किए गए प्याज को भारी नुकसान हुआ है। एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी महाराष्ट 'की लसालगांव मंडी के सेक्रटरी ने

बताया कि जो प्याज का भंडार किया गया था वह आधा खराब हो चुका है। ऐसे में टमाटर की सप्लाई में कमी आ रही है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, सरकार प्याज की डिमांड और सप्लाई पर नजर रख रही है। प्याज ही नहीं पूरे देश में 22 जरूरी सामान पर सरकार की नजर है। चिंता की कोई बात नहीं है। सरकार के पास अच्छा भंडार है। समय आने पर सप्लाई बढ़ा दी जाएगी। प्याज के व्यापार से जुड़े लोगों का कहना हैकि इस बार सर्दियों की फसल में सालाना मांग की 70 फीसदी पैदावार हुई थी। पहले क्राइसिस इयर में सरकार को प्याज आयात करना पड़ता था। हालांकि बीते दो सालों से ऐसा नहीं करना पड़ रहा है। बता दें कि बीते चार महीने से प्याज की कीमतें स्थिर हैं। हालांकि अगस्त और सितंबर क्राइसिस वाला होता है। अक्टूबर में अब प्याज की अगली फसल आ जाएगी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस समय आम तौर पर प्याज ती कीमतें 25 रुपये प्रति किलो है। हालांकि बाजार की बात करें तो अच्छा प्याज 30 रुपये प्रति किलो में बिक रहा है। एक जानकार ने कहा कि इस बार फरवरी में तापमान बढ़ने की वजह से प्याज जल्दी तैयार हो गया था। हालांकि इसे रखने का समय कम हो गया। इस वजह से प्याज की कमी हो सकती है। प्याज की क्वालिटी की वजह से इसे फरवरी और मार्च में ही बेचने की होड़ लग गई। वैसे भी अगस्त के आखिरी में रबी का स्टॉक कम हो जाता है। ऐ में बाजार में महंगाई बढ़ दाती है। हालांकि खाने-पीने की अन्य चीजों की बढ़ती कीमतों के बीच अगर प्याज भी झटका देता है तो आम आदमी को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

उत्तराखंड में पहाड़ से गिरे पत्थर, होटल ढहा

लैंडस्लाइड के चलते जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद, अमरनाथ यात्रा रोकी गई

नई दिल्ली। उत्तराखंड में बीते 24 घंटे से भारी बारिश के चलते कई जगह लैंडस्लाइड हुई। रामपुर में पहाड़ों से पत्थर गिरने से होटल ढह गया। रुद्रप्रयाग के उत्तरकाशी में सड़क का एक हिस्सा टूट गया। उधर जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड के चलते जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया। जिसके चलते अमरनाथ यात्रा रोकनी पड़ी। लोगों को नेशनल हाईवे - 44 पर न जाने की सलाह दी गई। पौडी गढ़वाल जिले के थाना कोटद्वार के अंतर्गत मालन पुल के पास नदी में 15 लोग फंस गए थे। जिन्हें SDRF की टीम ने सुरक्षित निकाल लिया। हल्द्वानी में 3 घंटे मूसलाधार बारिश हुई। काठगोदाम के कलसिया में फंसे डेढ़ सौ लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। गौला नदी में भारी पानी आया है, जिसके बाद बैराज के सभी गेट खोल दिए गए हैं। वही कलसिया नाले से घरों को भारी नुकसान हुआ है, अभी तक दो मकान क्षतिग्रस्त बताएं जा रहे हैं। मानसूनी सिस्टम के एक्टिव नहीं होने से अगले 24 घंटे में कहीं भी तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी जरूर हो सकती है। भोपाल में बादल छाए रहेंगे। पिछले दो दिन से बारिश का दौर थमने से प्रदेश

में ओवरऑल बारिश का आंकड़ा घट गया है। सोमवार तक ओवरऑल 9 प्रतिशत बारिश ज्यादा हुई थी। यह आंकड़ा मंगलवार को 6 प्रतिशत तक पहुंच गया। बुधवार को आंकड़े में और कमी आ सकती है।

महाराष्ट्र की भाजपा नेता सना खान जबलपुर से लापता, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

जबलपुर। महाराष्ट्र भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा की नेता सना खान जबलपुर आकर लापता हो गई हैं। मंगलवार को सना के परिजन उन्हें तलाशते हुए जबलपुर पहुंचे और यहां उन्होंने गोराबाजार थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए उनकी हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नागपुर के मानकापुर इलाके में रहने वाली सना खान ने छह महीने पहले बिलहरी निवासी ढ़ाबा संचालक अमित साहू (पप्पू) से विवाह किया था। एक अगस्त को वह अपनी मां को सूचना देकर जबलपुर के लिए निकली थीं। दो अगस्त को सना ने रिश्तेदार इमरान को फोन कर जबलपुर पहुंचने की जानकारी दी। इसी दिन शाम को उन्होंने दोबारा इमरान से फोन पर बात कर अमित साहू द्वारा मारपीट करने की बात

● पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नागपुर के मानकापुर इलाके में रहने वाली सना खान ने छह महीने पहले बिलहरी निवासी ढ़ाबा संचालक अमित साहू (पप्पू) से विवाह किया था। एक अगस्त को वह अपनी मां को सूचना देकर जबलपुर के लिए निकली थीं। दो अगस्त को सना ने रिश्तेदार इमरान को फोन कर जबलपुर पहुंचने की जानकारी दी। इसी दिन शाम को उन्होंने दोबारा इमरान से फोन पर बात कर अमित साहू द्वारा मारपीट करने की बात कही। इमरान ने यह जानकारी सना की मां मेहरुन्निसा को दी।

कही। इमरान ने यह जानकारी सना की मां मेहरुन्निसा को दी। मेहरुन्निसा ने सना से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनके तीनों मोबाइल फोन बंद मिले। इसके बाद उन्होंने ढ़ाबा संचालक अमित साहू को फोन किया। टालमटोल के बाद अमित ने बताया कि विवाद के बाद सना अकेले घर से निकल गई थीं। वह कहां गई, इस बारे में उसे कोई जानकारी नहीं। इसके बाद सना के भाई मोसिन, मोबिन खान और अन्य परिजनों के साथ मंगलवार को जबलपुर पहुंचे और गोराबाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि अमित ने उनकी बहन की हत्या कर शव को हिरण नदी में फेंक दिया है। इसके बाद पुलिस अमित के बिलहरी स्थित घर पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने कुछ सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किए हैं, जिनके आधार पर जांच की जा रही है। मोसिन व मोबिन का आरोप है कि ढाबे में काम करने वाले एक नौकर ने उनसे बताया कि दो अगस्त को अमित अपनी कार लेकर पहुंचा था, जिसकी डिक्की में खून लगा हुआ था। जबलपुर कैंद थाने की सीएसपी तुषार सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि नागपुर निवासी सना खान उर्फ हिना के परिजन गोराबाजार थाने पहुंचे हैं, जहां बताया कि सना लापता है। उन्होंने नागपुर में सना की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असम राइफल्स पर ही क्यों भड़के हैं मणिपुरी, अब भाजपा भी विरोध में उतरी

इंफाल। असम में पुलिस और असम राइफल्स के बीच तकरार बढ़ती ही जा रही है। मणिपुर पुलिस ने 9 असम राइफल्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का आरोप है कि असम राइफल्स में उग्रवादियों को शामिल कर लिया गया है और अब वे पुलिस के काम में टांग अड़ाते हैं। वहीं अब मणिपुर भाजपा ने भी असम राइफल्स को हटाने के लिए प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। बता दें कि विष्णुपुर के क्वाता में हिंसा भड़क गई थी और तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने कुकी हमलावरों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने आरोप लगाया कि अभियान के दौरान असम राइफल्स ने बाधा डाली और उनके वाहनों को रोका।

असम राइफल्स में बीच में खड़ी की वैन

पुलिस का कहना है कि पुलिस के ऑपरेशन के दौरान असम राइफल्स ने बीच में अपने वाहन खड़े क दिएए। इसके बाद कुकी उग्रवादी भाग निकले और उन्हें पकड़ा नहीं जा सका। इसी मामले को लेकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। वहीं कुछ दिन पहले ही पुलिस और असम राइफल्स के जवान के बीच बहस का वीडियो भी वायरल हुआ था। पुलिसकर्मी कह रहा था कि असम राइफल्स उनके काम में बाधा डाल रही है। वहीं जवान ने कहा कि वह केवल अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

भाजपा ने पीएम मोदी को सौंपा ज्ञापन

असम राइफल्स के खिलाफ मणिपुर भाजपा में भी आवाज उठी है। भाजपा ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि मणिपुर से पूरी तरह असम राइफल्स को हटा लिया जाए। उसकी जगह किसी और बल को तैनात किया जाए क्योंकि असम राइफल्स निष्पक्षता बनाने में नाकाम रही है। इस ज्ञापन में कहा गया कि हिंसा शुरू होने के पहले दिन से ही असम राइफल्स का रवैया गलत रहा है और यह शांति स्थापित नहीं कर पी है। इसके चलते जनता में भी असम राइफल्स के प्रति गुस्सा है।

बिष्णुपुर में चेक पॉइंट से हटाई गई

असम राइफल्स

रविवार को महिलाओं ने इंफाल में कई जगह पर प्रदर्शन किए और असम राइफल्स को हटाने की मांग की। इसके बाद तुरंत फैसला किया गया और सोमवार को ही बिष्णुपुर के चेक पोस्ट से असम राइफल्स को हटा दिया गया।

आर्मी ने क्या कहा–आर्मी ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी प्रयास को रोकने के लिए कार्रवाई में वह और असम राइफल्स दृढ़ रहेंगे। सेना की स्पीयर कोर ने ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि असम राइफल्स की छवि धूमिल करने के लिए मनगढ़ंत प्रयास किए गए हैं, जो जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति बहाल करने में लगी हुई है। बयान में कहा गया है, कुछ उपद्रवी तत्वों ने तीन मई से मणिपुर में लोगों की जान बचाने और शांति बहाल करने की दिशा में लगातार काम कर रहे केंद्रीय सुरक्षा बलों, विशेष रूप से असम राइफल्स की भूमिका, इरादे पर सवाल उठाने के बार-बार और असफल प्रयास किए हैं। सेना ने कहा कि यह समझने की जरूरत है कि मणिपुर में जमीन पर स्थिति की जटिल प्रकृति के कारण, विभिन्न सुरक्षा बलों के बीच कभी-कभी मतभेद होते हैं। उसने कहा कि हालांकि, कार्यात्मक स्तर पर ऐसी सभी गलतफहमियों को मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए संयुक्त तंत्र के माध्यम से तुरंत दूर किया जाता है।

मधुरिमा तुली एक उत्कृष्ट पशु प्रेमी हैं, अपनी बिल्ली गबरू का जन्मदिन मनाने के लिए विशेष समय निकालती हैं!

खबर दृष्टिकोण।

अभिनेत्री मधुरिमा तुली वह शख्स हैं जो अपनी क्यूटनेस और स्टाइलिश पर्सनैलिटी से इंटरनेट और दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती रहती हैं। वह अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच एक स्वस्थ संतुलन बनाए रखती है और यह निश्चित रूप से सीखने के लिए एक सराहनीय गुण है। उसका दिल और दिमाग सही जगह पर है और इसीलिए, वह अपनी प्राथमिकताओं का ध्यान रखती है। खैर, जहां तक प्राथमिकताओं का सवाल है, उसकी प्यारी और बेहद प्यारी पालतू बिल्ली गबरू वास्तव में उसकी प्राथमिकता है। मधुरिमा अपने छोटे बच्चे की तरह उसकी देखभाल करने के लिए जानी जाती हैं और जब भी वह उसे अपने पोस्ट में दिखाती हैं तो उनका स्नेह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। खैर, यह अनुमान लगाने में कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ दिन पहले जब गबरू का जन्मदिन था, तो मधुरिमा ने विशेष रूप से अपने छोटे बच्चे के लिए एक विशेष लाड़–प्यार सत्र की योजना बनाई थी। उन्होंने अपने छोटे फर वाले बच्चे को प्री–बर्थ डे सेलिब्रेशन के लिए बाहर ले जाने का फैसला किया और कोई आश्चर्य नहीं, वह अपने 'बर्थ डे बॉयश के के प्यार में खो जाने से खुद को नहीं रोक सकी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीरें साझा कीं, जहां वह अपने बच्चे के साथ मुस्कुराती हुई नजर आ रही थीं और तस्वीरों को देखकर, आप देखते ही रह जाओगे, और क्यूटनेस के मामले में इसे 10ध्10 रेटिंग दी जाती है। तस्वीरें और उनका हाव–भाव स्पष्ट रूप से साबित करता है कि मधुरिमा वास्तव में एक बड़ी पशु प्रेमी हैं और यही कारण है कि, अपने पालतू जानवरों के साथ कैसा व्यवहार और लाड़–प्यार करना चाहिए, यह समझने के मामले में हमें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। प्यारी तस्वीरों ने हर किसी का ध्यान खींचा और कोई आश्चर्य नहीं, नेटिजन्स को लगता है कि मधुरिमा को अपनी छोटी प्यारी के साथ उन्हें आते रहना चाहिए।

काम के मोर्चे पर, मधुरिमा के पास आगे पाइपलाइन में दिलचस्प परियोजनाएं हैं और घोषणाएं आदर्श समयसीमा के अनुसार होती रहेंगी। बिल्कुल अति सुंदर चीज, है ना? अधिक जानकारी के लिए बने रहें।

उधारी का पैसा न मिलने पर पीड़िता ने परिचित एवं परिचित के साले के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उधारी में दिए गए लाखो रूपये वापस मांगने पर आरोपी ने अपने साले के द्वारा पीड़िता पर हमला करवा दिया था जिस पर पीड़ित ने थाने पर सुनवाई न होने के कारण पीड़िता ने पुलिस उपायुक्त के समक्ष शिकायत है। ऊंच अधिकारी के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। नीलमथा शारदा नगर कैन्ट निवासी जानकी विष्ट पत्नी पवन सिंह के मुताबीक वर्ष 2021 में उतरठिया निवासी साजन मिश्रा पुत्र स्व0 शत्रुघन मिश्रा ने व्यापार करने के लिए कई बार में साढ़े सात लाख रुपये बतौर कर्ज के रूप में लिए थे और एक वर्ष में ब्याज संग वापस करने का वादा किया था लेकिन एक भी पैसा वापस नहीं किया। आरोप है कि जब उसने जनवरी माह में अपना पैसा वापस माँगा तो अपने साला विवेक पांडे को बुलाकर उसपर हमला करवा दिया जिसकी शिकायत उसने पीजीआई थाने पर की थी लेकिन थाने पर समझौता करा दिया गया और तय हुआ कि 30 जुलाई तक वह पचीस प्रतिशत कर्ज का पैसा वापस कर देगा। इस समझौते के बाद भी आरोपी अपने वादे से मुकर गया और उसे मात्र पचीस हजार रूपये ही दिए जिसपर पीड़िता ने थाने पर पुनः शिकायत की लेकिन पुलिस के बुलाने पर भी आरोपी नहीं आया। पुलिस के रवैये से असंतुष्ट पीड़िता ने पुलिस उपायुक्त पूर्वी से शिकायत की है। अधिकारी के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने आरोपी एवं उसके साले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है।

अच्छी खबर: अभिनेत्री वेरोनिका वनिज आगामी कॉमेडी मल्टीस्टारर फिल्म 'नॉन स्टॉप धमाल में मुख्य भूमिका निभाएंगी, अधिक जानकारी के लिए पढ़ें!

खबर दृष्टिकोण।

अभिनेत्री वेरोनिका वानीज जो अपनी अभिनय क्षमता के साथ–साथ अपने स्वैग और आकर्षण के लिए जानी जाती हैं, वह एक बार फिर खबरों और सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री आगामी मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म श्नॉन स्टॉप धमालश में नजर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। वह फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं और प्रोजेक्ट का ट्रेलर 3 अगस्त, 2023 को लॉन्च किया गया था। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से, प्रशंसकों को इस तथ्य के बारे में पता था कि उन्हें एक हंसी मैराथन के लिए तैयार रहना है। ट्रेलर में उनका प्रदर्शन चकाफी र्चा पैदा कर रहा है और अब समी की निगाहें उस बड़ेदिन पर हैंजब फिल्म 18 अगस्त, 2023 को हमारे नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इंस्टाग्राम पर 782ा से अधिक फॉलोअर्स वाली वेरोनिका ने प्रोजेक्ट के बारे में अपने विचार साझा

किए और कहा, मैं वर्तमान में श्नॉन स्टॉप धमालश के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक बेहद मजेदार कहानी वाली कॉमेडी फिल्म है और इसमें वाकई दिलचस्प पंच हैं। हमारे पास जिस तरह की स्टार कास्ट है, वह अद्भुत है क्योंकि लगभग हर कोई कॉमेडी विभाग में उस्ताद है। राजपाल यादव सर, अन्नू कपूर सर, मनोज जोशी सर, असरानी सर और अन्य लोगों से सीखने के लिए बहुत कुछ था। मैं एक लड़की की भूमिका निभा रही हूं जिसका नाम श्रेया कपूर है। मैं अभी इस बारे में इससे अधिक बता नहीं सकती। 18 तारीख को सब कुछ सामने आएगा। यह फिल्म मुझे एक ऐसे अवतार में पेश करेगी जिसमें मेरे दर्शकों ने मुझे पहले नहीं देखा है और मैं बहुत उत्साहित हूं। उम्मीद है कि इसमें जो भी कड़ी मेहनत की गई है, वह पूरी तरह से सफल परिणाम लाएगी। दर्शकों के फिल्म देखने का इंतजार है। 'नॉन स्टॉप धमाल' में राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े मनोज जोशी, असरानी, अन्नू कपूर और अन्य जैसे लोकप्रिय कलाकारों के साथ वेरोनिका वानीज मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण ट्रायोम फिल्म्स द्वारा किया गया है और इसका निर्देशन इरशाद खान ने किया है। वेरोनिका वैनिज के सभी प्रशंसक यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं कि 18 अगस्त, 2023 को उनके सामने क्या होने वाला है। अधिक जानकारी के लिए बने रहें।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत प्रदेश में स्वयं सहायता समूह द्वारा अब तक 15 लाख से ऊपर तैयार किए गए झण्डे

समूहों द्वारा 5.88 लाख झण्डो का किया जा चुका है, वितरण, झण्डों का निर्माण व वितरण कार्य प्रगति पर।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के मद्देनजर प्रदेश में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी झंडा तैयार करने व वितरित किए जाने की जिम्मेदारी दी गई है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह स्वयं सहायता समूहों को झंडा बनाने व वितरण के लिए जो टारगेट दिया गया है, उसे पूरी तत्परता के साथ पूरा कराने के प्रयास किए जाएं। इससे हर घर तिरंगा कार्यक्रम पूरी तरह सफल और सार्थक होगा ,पूरी गरिमा और गौरव के साथ तो मनाया ही जाएगा, साथ ही स्वयं सहायता समूहों की आमदनी झंडा निर्माण से भी बढ़ेगी और उनके आत्मनिर्भर व स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त होगा । राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक सी० इन्दुमती ने बताया कि झंडा बनाने के लिए प्रदेश में 2325 स्वयं सहायता समूहों की 14421महिलाएं काम कर रही हैं और अब तक 15 लाख से ऊपर झण्डो का निर्माण किया जा चुका है तथा सरकारी सेक्टर में अब तक 2.47लाख और प्राइवेट सेक्टर में 3.86 लाख झण्डो का वितरण स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा चुका है। इस प्रकार से अब तक रू 99 लाख से अधिक की धनराशि के झण्डे वितरित किए जा चुके हैं। झण्डा बनाने और वितरण करने का कार्य अनवरत रूप से चल रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय गौरव के इस कार्यक्रम में लोगों से बढ़ चढ़ कर भाग लेने की अपील की है, ताकि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के माध्यम से देश के अमर वीर शहीदों के त्याग, बलिदान, साहस और शौर्य की प्रेरक स्मृतियां तो ताजा होंगी ही, साथ ही भावी पीढ़ी को प्रेरणादायक संदेश भी मिलेगा। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे इस कार्य की सराहना भी की है।

खेत की मेड़ को लेकर मारपीट,चार घायल

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के सिसेंडी मजरा इमलिहाखेड़ा गांव निवासी राजेश कुमार ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते मगंलवार को वो अपने खेत की मेड़ सुधार रहा था तभी विपक्षी शिवनरायन,सोमप्रकाश,अमित,सुमित,रज्जो,मोनी मौके पर आ धमके ओर सुधारी गयी मेड़ गिराते हुये गाली–गालौज करने लगे,पिता रामकुमार,मां राजकुमारी व मौके पर मौजूद बहनो सुषमा,सुशीला ने विरोध किया तो उक्त सभी ने लाठी–डंडो व लात घुसो से माता–पिता व बहनो की पिटाई कर घायल कर दिया।चीख–पुकार सुनकर ग्रामीणो के मौके पर पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकलें।जिसके बाद घायल परिजनो को इलाज के लिये वो अस्पताल लेकर गया।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर छरूआरोपियों के विरूद्व मारपीट,बलवा,जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

चलती ट्रैन में विदेशी यात्री का बैग चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

चोरो के कब्जे से 15 हजार रूपये नगदी समेत पांच सौ अमेरिकी डालर व दस लाख इंडोनेशिया करेंसी बरामद।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ/हरदोई। हरदोई रेलवे स्टेशन जीआरपी पुलिस टीम द्वारा काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस ट्रैन में विदेशी यात्री का बैग चोरी करने वाले दो शातिर चोरो को गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से शत–प्रतिशत बरामदगी 15 हजार रुपये समेत पांच सौ अमेरिकी डालर व 10 लाख इंडोनेशियन करेंसी बरामद किया गया है। शातिर चोरो के खिलाफ चोरी की धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है। हरदोई जनपद जीआरपी प्रभारी राम सहाय सिंह ने बताया कि बीते 25 मार्च को नीदरलैंड से आया विदेशी यात्री काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस ट्रैन से सफर कर रहा था यात्रा दौरान उसका बैग अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर लिया गया था जिसका मुकदमा स्थानीय थाने पर चोरी की धाराओं में दर्ज कर टीम गठित किया गया। जीआरपी पुलिस टीम द्वारा बुधवार को प्लेटफॉर्म संख्या चार से दो शातिर चोरो को गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से विदेशी यात्री का चोरी हुआ बैग बरामद हुआ है जिसमे 15 हजार रूपये नगदी समेत पांच सौ अमेरिकी डॉलर व दस लाख इंडोनेशिया करेंसी बरामद हुआ है। दोनों चोरो के खिलाफ दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

कृमि मुक्ति दिवस कल, निकाली गई जागरूकता रैली

सीएमओ ने प्रचार प्रसार वाहन रैली को दिखाई हरी झंडी

जिले के 21 लाख बच्चों को खिलाई जाएगी एलबेंडाजॉल

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। जनपद में10 अगस्त से शुरू होने वाले कृमि मुक्ति अभियान के पूर्व मंगलवार को प्रचार वाहन रैली निकाली गई। इस प्रचार वाहन रैली को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मनोज अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाई। इस अभियान के तहत यूपी के 48 जिलों और पांच जिलों की 14 यूनिट के एक वर्ष से 19 वर्ष की आयु तक के 7 करोड़ 25 हजार 861 बच्चों और किशोर–किशोरियों को पेट से कीड़े निकालने की दवा एलबेंडाजॉल खिलाएंगी। हर वर्ष 10 अगस्त को कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाता है।

रैली के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि सहयोगी संस्था एविडेंस एक्शन के सहयोग से 11 ई–रिक्शा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाएंगे। इसमें माइकिंग के जरिए लोगों को अपने बच्चों को पेट से कीड़े निकालने की दवा एल्बेंडाजोल का सेवन कराने के लिए जागरूक किया जाएगा। सीएमओ ने बताया कि एलबेंडाजॉल खिलाने के पीछे उद्देश्य है कि हर बच्चा स्वस्थ रहे। पेट में कीड़े रहने से जहां बच्चों में खून की कमी हो जाती है वहीं उनका शारीरिक व मानसिक विकास प्रभावित होता है। उन्होंने बताया कि जनपद में गुरुवार से शुरू होने वाले अभियान में शिक्षा, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, पंचायती राज विभाग और महिला कल्याण विभाग से भी सहयोग लिया जा रहा है। इस अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता या स्वास्थ्य विभाग टीम जनपद 21 लाख से अधिक बच्चों को एलबेंडाजॉल खिलाएंगी।

नोडल अधिकारी डॉ संदीप सिंह ने बताया कि जनपद में दवा शत प्रतिशत उपलब्ध है। जो बच्चे 10 अगस्त को दवा खाने से रह जाएंगे उन्हें मापअप राउंड के दौरान 17 अगस्त को दवा खिलाई जाएगी। यह दवा सभी सरकारी विद्यालयों सहायता प्राप्त सरकारी विद्यालयों और निजी विद्यालयों में और स्कूल न जाने वाले बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर खिलाई जाएगी। एक से दो साल की आयु के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली और दो से तीन साल की आयु के बच्चों को एक गोली चूरा बना कर खिलाई जाएगी। तीन से 19 साल की आयु के बच्चों को एक गोली खिलाई जाएगी। यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है। एविडेंस एक्शन के अनुसार इस जागरूकता प्रचार वाहन रैली के लिए शहर के 11 रूट निर्धारित किए गए हैं। रूट नंबर एक व नौ के तहत पूरे गोमती नगर को समाहित किया गया है। जबकि रूट नंबर दो में इंदिरा नगर, रूट तीन और पांच में पुराना लखनऊ, रूट चार के जरिए आलमबाग और कृष्णानगर के इलाके जागरूक किए जाएंगे। वहीं रूट नंबर छह और सात के तहत अलीगंज व महानगर की आबादी जागरूक की जाएगी। रूट नंबर आठ और 10 के जरिए कुर्सी रोड, विकास नगर और चिनहट में प्रचार वाहन रैली निकाली जाएगी। रूट नंबर 11 के जरिए हजरतगंज और लालबाग के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आरएन. सिंह, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, जिला समुदाय प्रक्रिया प्रबंधक विष्णु प्रताप, डीईआईसी मैनेजर डॉ गौरव, शहरी स्वास्थ्य समन्वयक संजय मिश्रा, एविडेंस एक्शन से अमित सिंह मौजूद रहे।

सदिग्धं परिस्थितियों में किशोर लापता

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के अतरौली गांव से 15वर्षीय किशोर सदिग्धं परिस्थितियों में लापता हो गया।काफी खोजबीन के बाद भी किशोर का पता ना चलने पर पीड़ित पिता ने पुलिस को तहरीर देकर लापता बेटे को तलाशने की गुहार लगायी।पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर लापता किशोर की तलाश में जुट गयी हैं। मोहनलालगंज के अतरौली गांव निवासी दीनानाथ ने बताया 5अगस्त की शाम उनका 15वर्षीय बेटा सदिग्धं परिस्थितियों में लापता हो गया।जिसके बाद से रिश्तेदारो समेत सभी जगह काफी–खोजबीन के बाद भी लापता बेटे का पता नही चल सका है।

खबर एक नजर में

पिता की संपत्ति में हिस्सेदार बहन के हिस्से को भाई ने धोखे से हड़पा, दी धमकी

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले एक भाई ने पिता की संपत्ति में हिस्सेदार बहन के हिस्से को धोखे से हड़प कर उसपर निर्माण कार्य करवा रहा है बहन ने अपनी सम्पत्ती पर भाई द्वारा निर्माण कार्य को देख विरोध किया तो भाई धमकी तक देने लगा जिसपर पीड़ित बहन ने स्थानीय कृष्णा नगर थाने पर भाई के खिलाफ लिखित शिकायत की है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जाँच में जुटी है। मूलरूप से 9 पूरनचंद नहर ऐवन्यु कोलकाता की निवासी हसीप्रत कौर साहनी पुत्री पत्नी मंजीत सिंह साहनी के मुताबिक उनके पिता स्व हरमोहन सिंह चड्ढा का मकान 17ए/2 कृष्णानगर कानपुर रोड पर है। पिता की मृत्यु वर्ष 2018 में हुआ था। उनके पिता ने मृत्यु पूर्व अपने वसीयत में मकान के दो हिस्से उनके नाम और उनके भाई सिमरन सिंह चड्ढा के नाम किया था। वसीयत अनुसार उनके हिस्से में मकान का1400 वर्गफीट छत के नीचे की संपत्ति पर पूर्ण रूप से उनका अधिकार एवं स्वामित्व है। पीड़ित बहन का आरोप है कि मेरे भाई जो पेशे से व्यापारी है उन्होंने पीड़िता का हिस्सा अपने कब्जे में कर रखा था और कहा था कि जरूरत पड़ने वह उन्हें वापस कर देगा लेकिन बहन के हिस्से पर भाई की नीयत खराब हो गया और अपने बहन के हिस्से पर निर्माण कराने लगा जिसपर बहन ने विरोध किया तो भाई बहन के मोबाईल पर धमकी देने लगा और बहन को व्हाट्सअप भी धमकी दिया है जिसपर पीड़ित बहन अपने भाई पर धोखाधड़ी से उसकी संपत्ति को हड़पने का आरोप लगा स्थानीय थाने पर शिकायत की है। कृष्णा नगर प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह के मुताबिक पीड़िता की शिकायत पर आरोपी भाई के खिलाफ धोखाधड़ी धमकी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले में जांच कर कार्यवाई किया जा रहा है।

पति ने पत्नी के मायके वालो पर पत्नी को अगवा करने का आरोप लगा दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। कृष्णा नगर थाने पर मंगलवार को एक पति ने अपनी पत्नी के मायके वालो पर उसकी पत्नी का अपरहण करने का आरोप लगा शिकायत करते हुए पत्नी की हत्या कर देने का आशंका जताया है। पुलिस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र के मानस नगर इंद्रलोक निवासी विशाल वर्मा पुत्र सुरेन्द्र वर्मा के मुताबिक उसने डेढ़ माह पूर्व रामदास खेड़ा विजय नगर निवासी नेहा सिंह से प्रेम विवाह किया था। उसकी पत्नी के मायके वाले अलग अलग जाती होने के कारण इस विवाह से नाखुश थे और हम दोनों को अलग करने की नियत से उसकी पत्नी नेहा का अपरहण करवा कही गायब कर दिया है जिसे उसने काफी खोजबीन किया लेकिन उसकी पत्नी नहीं मिली जिसपर प्रेमी पति ने पत्नी के मायके वालो पर उसकी पत्नी का अपरहण कर लेने का आरोप लगाते हुए शिकायत किया है और हत्या तक की आशंका जताया है फिलहाल पुलिस ने पति की शिकायत पर अगवा कर लेने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।

घर के सामने खड़ी बैटरी रिक्शा चोरी

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो ने अर्धरात्रि समय घर के सामने खड़ी बैटरी रिक्शा चोरी हो गया। सुबह घर के बाहर से रिक्शा गायब देख पीड़ित ने काफी खोजबीन बाद स्थानीय थाने पर चोरी की शिकायत की है पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है। सरोजनीनगर थाना क्षेत के बाग नंबर दो बदाली खेड़ा चौराहा निवासी नसरुल्लाह सिद्दिकी पुत्र मुर्तजा अली के मुताबिक वह किराये के मकान में रहता है। सोमवार रात वह अपना बैटरी रिक्शा यूपी 32 क्यूएन 5615 अपने घर के बाहर खड़ा किया था सुबह जब सोकर उठा तो रिक्शा अपने स्थान से गायब था जिसे उसने आस पास काफी तलाश किया लेकिन उसका रिक्शा नहीं मिला जिसपर पीड़ित ने स्थानीय थाने पर रिक्शा चोरी की शिकायत की है। पुलिस ने चालक की शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के 10 माह बाद भी 69 हजार शिक्षकों की नहीं मिली नियुक्ति

प्रदेश भर से आये अभ्यर्थियों ने किया शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। लखनऊ आलमबाग धरना स्थल ईको गार्डेन पर बुधवार सुबहप्रदेश भर सेएकजुट हुए करीब पांच सौ से भी ज्यादा 69 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों ने शांति पूर्ण अनिश्चित कालीन ध रने पर बैठ गए। इस

दौरान जनपद प्रतापगढ़ से आये अभ्यर्थी दुर्गेश शुक्ला ने बताया कि इस भर्ती में एक शैक्षिक परिभाषा प्रश्न गलत पाए जाने पर इलाहबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने वर्ष 2021अगस्त माह में एक अंक बढ़ते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति का आदेश दिया था जिसे सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल किया वहां भी सरकार की याचिका को खारिज करते हुए हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा गया लेकिन बेसिक शिक्षा परिषद कार्यालय न्यायालय के आदेशों की अवमानना कर अभी तक चयन सूची जारी नहीं की गई है। जिससे हजारों अभ्यर्थियों को 4 वर्ष से सुप्रीम कोर्ट से जीतने के बाद भी नियुक्ति का इंतजार करना पड़ रहा है। बेसिक शिक्षा परिषद कार्यालय में सचिव प्रताप सिंह बघेल बैठते नहीं हैं जिससे अभ्यर्थियों की मुलाकात भी कार्यालय भी कभी कभी हो पाती है। इस भर्ती को लगभग 4 वर्ष होने वाले हैं फिर भी बेसिक शिक्षा परिषद के कारण इस भर्ती के हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में है। धरनारत अभ्यर्थियों ने बताया कि एक दिन पूर्व भी उन लोगो ने शिक्षा निदेशालय में धरनारत हुए थे जहाँ शाम समय उनलोगो का मुलाकात सचिव परिषद से मुलाकात करवाई गई थी सचिव परिषद ने सिर्फ मौखिक आश्वासन दिया था इसके बाद सुरक्षा प्रशासन द्वारा प्रदेश भर के आए सैकड़ों अभ्यर्थियों को इको गार्डन छोड़ दिया गया।

दो वारण्टी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एनबीडब्लू के दो वारण्टी को उनके घर के बाहर से गिरफ्तार किया है। कृष्णानगर विक्रम सिंह ने बताया पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना परिचय राजेश यादव पुत्र महवीर व गुड्डू यादव पुत्र महवीर निवासी गंगाखेड़ा थाना कृष्णानगर लखनऊ के रूप में दिया है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए वारंटी को थाने में गाली गलौज, मारपीट व धमकी की धारा में दर्ज मुकदमा के तहत कारवाई कर जेल भेज दिया गया है।

सूचना का अधिकार बचाओ अभियान संस्था द्वारा भारत की राजधानी में किया गया धरना हुआ सफल

प्रधानमंत्री कार्यालय ने भेजे गए ज्ञापन का लिया गया संज्ञान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। दिल्ली आरटीआई कार्यकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से संज्ञान ले कर सूचना का अधिकार बचाओ अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष तनवीर अहमद सिद्दीकी ने अपने सदस्यों व पदाधिकारियों के साथ 15 सूत्रीय माँगो को ले कर 7ध 8ध2023 को भारत की राजधानी नयी दिल्ली जन्तर मन्तर पर दिया धरना भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने इस धरने में पूरा अपना समर्थन दिया और अपने सदस्यों व पदाधिकारियों से भी धरने में सम्मिलित होने के लिए आग्रह किया था ,भारत सरकार के द्वारा पारित कानून सुचना का अधिकार अधिनियम -2005 को देश के सभी राज्यों एवं विभाग में सम्पूर्ण रूप से लागू किया जाना और भारत सरकार के द्वारा पारित कानून सूचना का अधिकार अधिनियम -2005 के मूल अधिनियम से इतर राज्यों के द्वारा बनाये गए नियम विनियमावलियों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किये जाने सहित तमाम अहम मुद्दों पर लिखित ज्ञापन दे कर माँगे पूरी करने की मांग की जिसको प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों द्वारा गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार कार्यालय को कार्यवाही हेतु भेज दिया गया सूचना का अधिकार बचाओ अभियान संस्था इसी प्रकार समय समय पर आरटीआई कार्यकर्ताओं की समस्याओं को उजागर करके व धरने पर ज्ञापन सौंपा कर अपनी अहम भूमिका निभाता रहता है ,भारत की राजधानी जन्तर मंतर पर किये गए धरने में राष्ट्रीय अध्यक्ष तनवीर अहमद सिद्दीकी ,जैद अहमद फारूकी राष्ट्रीय महा सचिव ,सलीम बेग राष्ट्रीय सचिव ,वसीम आलम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , ,गोपाल प्रसाद ,ओ पी खेरालीया ,बिहार के रजिहसन सहित तमाम प्रतिष्ठित आरटीआई एक्टिविष्टो की उपस्थिति में धरने को सफल बनाया गया ।

सपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर किया गया बूथ कमेटियों का गठन

खबर दृष्टिकोण

जालौन। जालौन–समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आज पूरे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की बूथ कमेटियों का गठन किया गया ।इसमें यह अभियान चलाया गया कि जिस गांव में जितने बूथ हैं उसमें एक बूथ प्रभारी और वह बूथ प्रभारी अपने नीचे कम से कम 10 पार्टी के सदस्यों को जोड़ेगा इसी क्रम में जनपद जालौन के महेबा ब्लॉक के ब्लॉक प्रभारी तथा चुर्खी जिला पंचायत क्षेत्र से सपा के जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कृष्ण गोपाल यादव ठेकेदार न्यामतपुर को महेबा ब्लाक का ब्लॉक प्रभारी बनाया गया था ।और आज इसी क्रम में महेबा ब्लाक के ब्लॉक प्रभारी कृष्ण गोपाल यादव ठेकेदार न्यामतपुर ने अपने ब्लॉक क्षेत्र में पड़ने वाले सभी गांव का दौरा किया और गांव गांव जाकर के समाजवादी पार्टी के शासनकाल की तमाम अनेक उपलब्धियां को बताया जो की जनता के हित में थीं ।इसी क्रम में आज वह ग्राम सरसई महेवा न्यामतपुर दमरास निभाना पहुंचे जहां पहले उनका बड़े ही गर्म जोशी से स्वागत किया गया फिर उन्होंने बताया कि आप लोग एक बूथ में एक बूथ अध्यक्ष और उसके नीचे कम से कम 10 पार्टी के सदस्यों को जोड़ें इस मौके पर ग्राम सरसई में महेन्द्र पाल सिंह गुर्जर उर्फ बब्बू बाबा जिला सचिव समाजवादी पार्टी ,तथा रामनरेश याज्ञिक ग्राम पंचायत सदस्य सरसई एवं जीवन यादव पत्रकार चुर्खी,राहुल श्रीवास चुर्खी शिववीर सिंह महेंद्र पाल सिंह रविन्द्र दोहरे सन्तराम शिवशंकर यादव ज्ञानसिंह पाल भूरे कठेरिया अनवर खान जगदेव कठेरिया संजू पाल रूपसिंह यादव दया शंकर राम कुमार मास्टर सती चरण भूपेंद्र बुंदेला अटल कुशवाहा रामकुमार सिंह राम सिमरन राकेश मास्टर राम जी तिवारी सहित अनेको ग्रामीण एवं सपा के सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

संस्था ने बेसिक व प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की

मोहनलालगंज |निगोहां के अघइया गांव के बेसिक विद्यालय व हरिहरपुर पटसा गांव प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को मानव उत्थान सेवा समिति के अंतर्गत हंस भक्ति धाम की शाखा के महात्मा बबलेश व मिशन एजुकेशन टीम ने 205 बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की। स्टेशनरी पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान एजुकेशन टीम की हर्षिता ने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया साथ ही मौजूद बच्चों से उनके भविष्य पर सवाल जवाब किया तो इस पर कुछ बच्चों ने देश की सेवा किये जाने की आवाज उठाई तो कुछ बच्चों ने डॉक्टर बनकर सेवा करने की बात कही इसके साथ ही बच्चों ने राष्ट्रगान गाकर जय हिंद जय भारत के नारे लगाएं।इस मौके पर ग्राम प्रधान उर्मिला द्विवेदी,प्रधानाध्यापिका शिखा त्रिवेदी,प्रदीप द्विवेदी, गणेश कुमार, हर्षिता,पंकज,अमित,महावीर,श्याम प्रकाश द्विवेदी समेत सभी शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहें।

डेंगू वायरस का एक मरीज मिला

608 घरों एवं आस–पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। आज दिनांक 08.08.2023 को जनपद में 01–चन्दरनगर में डेंगू धनात्मक रोगी मिला तथा जनवरी 2023 से अब तक कुल 57 डेंगू धनात्मक रोगी पाये गये। आज लगभग 608 घरों एवं आस–पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल "03" घरों में तथा जनवरी 2023 से अब तक कुल 127 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलों भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया। क्षेत्रीय जनता को घर के आस–पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुनः प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने एवं मच्छरदानी में रहने तथा डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु "क्या करें क्या न करें" सम्बंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी।

मच्छरों की ब्रीडिंग रोकने के उपाय

S वाटर टैंक व कंटेनरों को ढक कर रखे, घर के अंदर व आसपास पानी को जमा न होने दे।

S अनावश्यक कन्टेनर, कबाड़, टायर व नारियल के खोल में पानी जमा न होने दे। तत्काल उसका निस्तारण सुनिश्चित करे।

S प्रत्येक सप्ताह कूलर का पानी बदले, कूलर आदि में ज्यादा दिनों तक पानी जमा न होने दे।

S घरो और होटल के वाटर टैंक में लार्वीवोरस फिश का उपयोग करे।

S बर्ड बाथ, फूलदान आदि में प्रत्येक सप्ताह पानी बदले।

स्वयं बचाव के उपाय

S सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करे।

S दिन के समय मच्छरों के काटने से बचने के लिए फुल सिलिस्र के कपड़े पहने बुखार आने पर चिकित्सक की सलाह पर दवा का उपयोग करे।

क्या न करे–

S घर में या घर के आस पास कूलर, बाल्टी, बैरल, फूलदान, बर्ड बाथ, फ्रीज, टायर व नारियल के खोल में पानी जमा न होने दे।

S टूटे बर्तन, अनुपयोगी बोतल, टिन, पुराने टायर, और कबाड़ को घर मे न जमा होने दे और न ही घर के पास उन्हें फेंके। उक्त चीजों का उचित निस्तारण सुनिश्चित कराए ताकि उसमे मच्छरों की ब्रीडिंग न हो पाए।

S बुखार होने पर स्वंय से दवा न करे, चिकित्सक के परामर्श के उपरान्त ही दवा का उपयोग करें।

दिव्यांगों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एडीओ पंचायत को सौंपा गया ज्ञापन

खैराबाद सीतापुर ब्लॉक खैराबाद परिसर में आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन के विभिन्न दिव्यांगजन एकत्र होकर विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई । जिसमें काफी दिव्यांग जनों का खुली बैठक का प्रस्ताव नहीं बन पा रह है उसी कारणवश दिव्यांग जनों की पेंशन नहीं बन पा रही है और काफी दिव्यांग जनों की राशन कार्ड न होने के कारण पेंशन रुक गई हैं उन दिव्यांग जनों का राशन कार्ड बनाया जाए पात्र दिव्यांगजनों को आवास मे अपात्र किया जा रहा जिससे काफी दिव्यांग जनोंकोआवास नहीं मिल पा रहा है । दिव्यांगों को मनरेगा में काम दिया जाए संगठन द्वारा दिया गया ज्ञापन में उल्लिखित बिंदुओं पर अगर एक सप्ताह के भीतर कोई संज्ञान नहीं दिया गया तो संगठन के द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी । राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव सिंह, राष्ट्रीय सचिव बिंदू मौर्या, कोषाध्यक्ष विजय पाल,सलाहकार प्रदीप कुमार मौर्य जलीस. गुड्डूसुशील कुमार, रामकिशोर, रामू .हरिलाल, मानसी आदि पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

बिना परीक्षण दूसरे अस्पताल रेफर न करें मरीज

लखनऊ (संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) पर आने वाले मरीजोंको बगैर परीक्षण दूसरे अस्पतालोंमें रेफर न करें। शाम पांच बजे के बाद भी स्वास्थ्य केंद्रोंपर चिकित्सकोंकी तैनाती की जाए और बिना सूचना के चिकित्साधिकारी अनुपस्थित न रहेंअन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश एनेक्सी भवन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरोंको दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला चिकित्सालयोंसीएचसी, पीएचसी, सब सेंटरोंएवंवेलनेस सेंटरोंमेंचिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल कर्मियों की अनिवार्य रूप से उपस्थिति दर्ज की जाए।

खबर एक नजर में

पड़ा हुआ मोबाईल वापस करना युवक को पड़ा महंगा

मोबाईल स्वामी ने साथियो संग युवक पर किया हमला, हमले से टुटा हाथ सर पर आई गंभीर चोट

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक युवक को सड़क पर पड़ा हुआ मोबाईल फोन मोबाईल के मालिक को वापस करना महंगा पड़गया। मोबाईल स्वामी ने अपने साथियो संग युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया जिससे युवक का बायां हाथ टूट गया और सर पर गंभीर चोट आई है। स्थानीय लोगो की मदद से घायल को अस्पताल पहुँचाया गया वहीं पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।आशियाना थाना क्षेत्र के शारदा नगर रजनी खंड 2द123 निवासी घायल युवक गौरव कुमार सोनी पुत्र राजेश कुमार सोनी के मुताबिक वह रात्रि करीब 9रू00 बजे प्रियम प्लाजा स्थित चाय की दुकान पर गया था जहाँ उसे एक मोबाईल पड़ा हुआ मिला था जिसपर फोन आया तो घायल युवक ने फोन रिसीव कर लिया तो कश्वलर ने अपना नाम रामचंद्र बता फोन गोविंद अस्पताल निकट आकर वापस करने को कहा। घायल के मुताबिक जब वह बताये हुए स्थान पर फोन वापस करने गया तो वहां तीन व्यक्ति मौजूद थे और उसपर आक्रोशित हो गए और गाली देना शुरू कर दिए जिसपर उसने विरोध किया तो तीनो ने मिलकर उसपर बेरहमी से हमला कर दिया। जब स्थानीय लोग बीचबचाव में कूदे तो उक्त आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस लोगो की मदद से घायल लोकबंधु अस्पताल भेजा गया जहाँ उसका इलाज किया गया है घायल के मुताबिक हमले से बायां हाथ तीन जगह से टूट गया है। आशियाना निरीक्षक ए के पांडेय ने बताया की हमले में मारपीट के शिकार युवक की शिकायत पर तीन नामजद रामचंद्र विकास व अमन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले में कार्यवाई की जा रही है।

अलग अलग थाना क्षेत्रो में दो किरायेदारों ने लगाई फांसी

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ के अलग अलग थाना क्षेत्रो में किराये के मकान में अकेले रह रहे युवक युवती ने फांसी लगा अपनी जान दे दी। मकान मालिकों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुशांत गोल्फ सिटी प्रभारी निरीक्षक अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि थाना क्षेत्र के कामाख्या कालोनी डिप्टीगंज किराये के मकान में अकेली रहने वाली 25 वर्षीय युवती शालिनी राठौर पुत्री देवचन्द राठौर निवासी शिवराजपुर, अजौली थाना शिवराजपुर जनपद कानपुर नगर बीती अर्धरात्रि अपने कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा बना फांसी लगा आत्महत्या कर ली। मकान मालिक प्रमिला यादव पत्नी संजय कुमार यादव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दूसरी तरफ बीबीडी थाना क्षेत्र के तिवारीगंज इमलीवान्धन रोड किराये के मकान के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा 21 वर्षीय छात्र प्रदीप पुत्र हरी साह्नी निवासी लालबेगिया अकौना, मिथैलिया पूर्वी चंपारण राज्य बिहार ने पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मकान मालिक उमेश सिंह यादव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्र का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क हादसे में पिता की मौत पर बेटे ने वाहन चालक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। निगोहा थाना क्षेत्र में बीते 7 अगस्त को सड़क खड़े बुजुर्ग को बाइक सवार तेज रफ्तार में मोटरसाइकिल चलाते हुए टक्कर मार दिया था जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया था वहीं बछरावां सीएचसी ने बुजुर्ग को जिला अस्पताल रेफर कर दिया था जहाँ बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया गया। पिता की मौत पर बेटे नंबर आधार पर बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। निगोहा थाना क्षेत्र के ग्राम ब्रह्मदासपुर निवासी राजेंद्र कुमार के मुताबिक उसके पिता रामकिशोर द्य57त्रः बीते 7 अगस्त को भगवानपुर मोड़ के पास रोड पार करने के लिए अपनी साइड में खड़े थे कि तभी लखनऊ से रायबरेली की ओर से आ रही हीरो स्प्लेण्डर मोटर साइकिल नं0 यूपी 32 डीडी 7387 के चालक द्वारा गाड़ी तेज रफ्तार में गाडी चलाते हुए उनके पिता को टक्कर मार गंभीर रूप से घायल कर दिया जिन्हे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया था। मृतक के बेटे की शिकायत पर निगोहा पुलिस ने गाड़ी नंबर आधार पर बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एडीसीपी ने पुलिसकर्मियों को पंच प्रण की शपथ दिलाई

मोहनलालगंज के क्षेत्रीय आपूर्ति कार्यालय में तैनात कर्मचारियों को क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने दिलाई पंच प्रण की शपथ

मोहनलालगंज। दक्षिणी जोन पुलिस कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मियों को बुद्धवार को अपर पुलिस उपायुक्त शंशाक सिहं ने पंच-प्रण की शपथ दिलाई।आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पूरे देश में आयोजित किये जा रहे कार्यक्रम श्मेरी माटी मेरा देशश एवं श्हर घर तिरंगा अभियानश के क्रम में बुधवार को अपर पुलिस उपायुक्त शंशाक सिहं ने कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मियों व समस्त कर्मचारियों को अमृत काल के पंच प्रण भारत को विकसित देश बनाने, गुलामी की मानसिकता को जड़ से निकालने, देश की समृ) विरासत पर गर्व करने, एकता और एकजुटता के लिए कर्तव्यब) रहने, नागरिक के कर्तव्य निभाने, देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करने और भारत को विकसित देश बनाने का सपना साकार करने की शपथ दिलाई।मोहनलालगंज तहसील में स्थित क्षेत्रीय आपूर्ति कार्यालय में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी नरेन्द्र मणि त्रिपाठी ने सप्लाई इंस्पेक्टर सत्यम मिश्रा समेत कार्यालय में तैनात सभी कर्मचारियों व सरकारी राशन की दुकानो के विक्रेता प्रतिनिधियों को पंच प्रण की शपथ दिलाई।

निजी बैंक कर्मी युवती द्वारा फांसी लगा आत्महत्या करने के मामले में उकसाने के आरोप में पूर्व प्रेमी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते 5 अगस्त को बंधन बैंक शाखा में कार्यरत बैंक के ऊपरी तल पर रहने वाली युवती ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी जिसपर शाखा प्रबंधक की सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतका के भाई की शिकायत पर हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई किया जा रहा था उक्त प्रकरण में पुलिस टीम ने आत्महत्या के उकसाने में आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। सरोजनीनगर थाना प्रभारी शैलेन्द्र गिरी ने बताया कि थाना क्षेत्र में बीते 5 अगस्त बैंक कर्मी युवती सुशीला ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में मृतका के भाई शिवाकान्त पुत्र सूरजभान निवासी ग्राम व पोस्ट पोथिया थाना ललपुरा जिला हमीरपुर की शिकायत पर हत्या की धारा मेंमुकदमा दर्ज किया मामले में जाँच कर कार्यवाई किया जा रहा जाँच में प्रकाश में आया कि पवन अवस्थी पुत्र कमलेश कुमार अवस्थी निवासी पचपेड़वा थाना फरधान लखीमपुर खीरी जो कि जनपद बाराबंकी में बंधन बैंक का शाखा प्रबंधक है युवती का पूर्व परिचित है और मृतका को आत्महत्या के लिए उकसाया था जिसपर हत्या की धारा को उकसाने की धारा मेंपरिवर्तित कर आरोपी को शहीद पथ निकट शहीद स्मारक के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस के पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसका और मृतका का पहचान जनपद उन्नाव में बैंक शाखा में कार्य करने के दौरान हुआ था और एक दूसरे के काफी नजदीक भी आ गए थे इस बिच उसे जानकारी हुआ की मृतका की शादी मध्य प्रदेश मेंतय हो गया इस पर वह मृतका का आपत्ति जनक फोटो उसके होने वाले पति कोभेज दिया था जिसकी जानकारी उसने मृतका को दी थी इस पर उसने फांसी लगा लिया जिसकी जानकारी उसे अगले दिन हो गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्यवाई कर जेल भेज दिया है।

काम्प्लेक्स के पार्किंग में कूड़ा डम्प करने पर व्यापारियों में आक्रोश , नगर आयुक्त से फोन पर की शिकायत

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कानपुर रोड बाराबिरवा स्थित फिनिक्स मॉल से सटा एलडीए द्वारा निर्मित शाकुंतलम् प्लाजा काम्प्लेक्स है जिस काम्प्लेक्स में करीब 4 दर्जन से अधिक दुकानदार अपनी दुकानें संचालित कर रखे हैं। काम्प्लेक्स के पीछे साइड में एलडीए ने पार्किंग की व्यवस्था दे रखी है।बुधवार सुबह कुछ सफाई कर्मी काम्प्लेक्स के पीछे खाली पड़े परिसर में अपनी साइकिल गाड़ियों से करीब तीन ट्राली कूड़ा डंप कर दिया जिससे काम्प्लेक्स के दुकानदारों ने सफाई कर्मचारियों से कूड़ा डम्प का विरोध कर हंगामे पर उतारू हो गए सफाई कर्मियों से दुकानों के मालिकों ने कूड़ा किसके आदेश पर डम्प कराए जाने की बात पूछना शुरू किया तो सफाई कर्मी बगले झांकते हुए मौके से गायब हो गए जिसके बाद स्थानीय दुकानदार शिशिर मिश्रा, मथुरा ,रनजीत सिंह ,पवन आदि दुकानदारो ने नगर आयुक्त को दूरभाष के माध्यम से घटना की सारी जानकारी देते हुए उनके व्हाट्सएप ग्रुप पर भी शिकायत दर्ज कराई है। वहीं नगर निगम जोन 8 जोनल अधिकारी अजीत राय ने इस मामले में फोन भी उठाना भी गंवारा नहीं समझा।

जर्जर मार्ग से नौनिहाल बच्चों को हो रही परेशानी

गोसाईगंज लखनऊ खबर दृष्टिकोण संवाददाता गंगाचरण मोहनलालगंज रोड स्थित मंगहुवा ग्राम तक जाने वाली रोड पर स्थित मारुति नंदन विद्यालय से मंगहवा रोड तक मार्ग लगभग 500 मी जो की काफी जर्जर है जिसके चलते विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं आए दिन बच्चे चोटिल होते हैं जिसको लेकर ग्रामवासी अभिभावक में रोषव्याप्त है बताते चलें कि मारुति नंदन विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को बरसात में काफी मसकते झेलनी पड़ती हैं जिस पर बड़े–बड़े गड्ढे हैं और कभी भी किसी भारी घटना को अंजाम दे सकता है यह मार्ग यही नहीं विद्यालय के सामने जमीन में ग्रामवासी श्मशान घाट का स्थान दिए हुए हैं जहां पर विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे नवनियाल बच्चों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ता है और कभी–कभी कूड़ा कचरा सामग्री वगैरह भी छोड़ जाते हैं जिसको लेकर बच्चों को काफी मशक्कत उठानी पड़ती हैं विद्यालय प्रबंधक समिति द्वारा संवाददाता से वार्ता कर बताया गया कि यदि शमशान घाट की बाउंड्री वॉल निर्मित कर दी जाए जाए तब ही बच्चों को इस समस्या से निजात मिल सकेगा

बेखौफ चोरों ने चालक के घर धावा बोलकर नगदी व जेवरात उड़ायें

मोहनलालगंज |निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव में मगंलवार की देर रात टैक्सी चालक के घर की पिछली दीवार में सेंध लगाकर अंदर घुसे बैखोफ चोर कमरे रखी अलमारी का लांक तोड़कर नगदी व जेवरात चुरा ले गयें।बुद्धवार की सुबह परिजन सोकर उठे तो उन्हे चोरी की घटना का पता चला |पीड़ित चालक की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन कीध।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस अज्ञात चोरो पर मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुट गयी हैं |निगोहां के उदयपुर गांव में टैक्सी चालक रवि अपने परिवार के साथ रहता है.चालक रवि ने बताया मंगलवार की रात खाना खाने के बाद वो परिवार संग घर के बरामदे में सो गया,देर रात बैखोफ चोर घर की पिछली दीवार में सेंध लगाकर अंदर दाखिल होकर कमरे के दरवाजे में लगा ताला तोड़कर अंदर रखी अलमारी का लांकर तोड़कर उसमें रखी 17हजार रूपये की नगदी व डेढ लाख कीमती के सोने–चांदी के जेवरात चुरा ले गयें।बुद्धवार की सुबह परिजन सोकर उठे कमरे का दरवाजा अंदर से लांक था,सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजे के कुंडे में बंधे रूमाल को काटकर कमरे को खोला तो देखा अंदर सारा सामान बिखरा व अलमारी खुली पड़ी थी |इंस्पेक्टर विनोद यादव ने बताया पीड़ित चालक की तहरीर पर अज्ञात चोरो के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली में मनाया गया मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम

खबर दृष्टिकोण संवाददाता सुनील मणि

आजादी के महत्व को देखते हुए आगामी स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत कई आयोजनों की श्रंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम कराया गया। विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न स्थानों जैसे कि गांव के बगीचों खेतों आदि से एक–एक मुट्ठी मिट्टी लाकर बड़े पात्र में संग्रहीत किया। विद्यालय की कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की छात्राओं नैंसी चौरसिया और गुड़िया ने मेरी माटी मेरा देश गीत का गायन प्रस्तुत किया। बच्चों और शिक्षकों ने लाई गई मिट्टी को हाथ में लेकर पंचप्रण किया। चारों दिशाओं से प्रतीक के रूप में छात्राओं ने गीत गाते हुए मिट्टी लाकर कलश में समर्पित किया तत्पश्चात शिक्षकों और बच्चों ने कलश में मिट्टी समर्पित किया। विद्यालय प्रांगण में उपस्थित बच्चों ने ऊंचे सुर में देशभक्ति के गगनभेदी नारे लगाए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक अमित कुमार ने बच्चों को आजादी का महत्व बताया तथा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी बताई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा एवं विद्यालय के सभी शिक्षक और छात्र–छात्राएं तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आदिवासियों के पारंपरिक औषधीय ज्ञान का इतिहास

डॉ प्रशांत जयवर्धन

आदिवासियो के पारंपरिक औषधीय ज्ञान के प्राचीन ऐतिहासिक तथ्यों के अध्ययन विश्लेषण से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि आदिवासियों को जितना लगाव प्रकृति से है इतना ही खुलकर प्रकृति ने भी इन पर अपनी विशेष कृपा दृष्टि रही है। यही कारण है कि प्रकृति की हर सुविधा के साथ आदिवासियों को संपूर्ण औषधीय सुविधा प्रकृति प्रदत्त है परन्तु इससे भी बड़ी बात यह है कि आदिवासियों में प्राचीन औषधीय पौधों एवं उपयोगिता का भी जबरजस्त ज्ञान है और यह व्यवहारिक ज्ञान प्राचीन ऐतिहासिक काल खण्ड से आज तक किसी न किसी राज्य में विद्यामान हैं।

आदिवासियों का ज्ञान भण्डार पुरातन काल से अपने वास्तविक रूप में विद्यामान रही है। मानव जीवन के जन्म से अंत तक के प्रायः-प्रायः सभी तथ्यात्मक तत्व आदिवासियों की मौलिक इतिहास में उपलब्ध रही है और इसी आधार पर हम कह सकते हैं कि हर क्षेत्र एवं हर विद्या में आदिवासियों का ज्ञान भण्डार समृद्ध रहा है।

झारखण्ड का आदिवासी समाज अपनी औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बाहरी दुनिया पर आश्रित नहीं रहा है आदिवासी समाज अपनी औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूर्णतः प्रकृति पर निर्भर रहा है पारंपरिक औषधीय ज्ञान से परिपूर्ण आदिवासी समुदाय, अपनी औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति अपने पारंपरिक ज्ञान से करता रहा है जिससे अन्य समूह भी लाभान्वित होते रहे हैं। आदिवासियों का औषधीय ज्ञान का विस्तार विश्व के अन्य समूहों और दूसरे-दूसरे भागों में हुआ है और ऐतिहासिक रूप से पारंपरिक औषधीय ज्ञान में पारंगत आदिवासी समाज अपने ही ज्ञान से दूर होता गया। आज स्थिति ऐसी हो गई है कि आदिवासी समाज अपने ज्ञान से अनभिज्ञ होता जा रहा है और इसी ज्ञान को जानकर शोध करके अ-आदिवासी शक्तियाँ अपने औषधीय ज्ञान को बढ़ाते हुए व्यवसायिक रूप प्रदान करते जा रहे हैं।

झारखण्ड के आदिवासी क्षेत्र निरंतर बाहरी शक्तियों का हस्तक्षेप झेलते-झेलते अपने पारंपरिक क्रिया-कलापों से दूर होते जा रहे हैं। एक लम्बें समय तक बाहरी आक्रमण एवं विदेशी ताकतों की सत्ता में काबिज रहने के कारण आदिवासी क्षेत्र प्रयोगशाला एवं आदिवासी इसके अवयव बनते रहे है जबकि आदिवासी ही वास्तव में पारंपरिक औषधीय ज्ञान के जन्मदाता रहे हैं।

आदिवासियों का विस्तृत एवं उपयोगी औषधीय ज्ञान का ही देन हैं कि आज के 'साइड इफेक्ट' से ग्रसित औषधीय प्रणाली की अपेक्षा देशी चिकित्सा/जुड़ी बुटी से इलाज और फल-फूल, कन्दमूल की ऋषि-मुनियों वाली परंपरिक औषधीय ज्ञान से हानिरहित लाभकारी औषधीय प्रणाली पुनः जीवित हो रही हैं एवं बहुलता से इनका प्रयोग हो रहा है।

पारंपरिक औषधीय ज्ञान की व्यापकता इसी से समझी जा सकती है कि आज प्रायः-प्रायः विश्व के हर हिस्से में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का प्रचार-प्रसार और उपयोगिता बढ़ी है।

प्रकृति और आदिवासी जनमानस का अन्योश्रय संबंध है। प्रकृति आदिवासी जन मानस की जीवन प्रणाली है तो

आदिवासी पूर्णतः प्रकृति पर आधारित हैं। आदिवासियों के लिए जंगली पेड़-पौधों का दायरा काफी विस्तृत है इसमें एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा औषधीय पेड़-पौधों का है। इन पेड़-पौधों से जुड़ाव और लाभ की एक पुरानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। आदिवासी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के केन्द्र में है।

भारतीय ग्रंथों में जड़ी-बूटी तथा इसके ज्ञाता का गुणगान भरा पड़ा है। झारखण्ड के सुदूर जंगलों और पहाड़ियों की तलहटी में निवास करने वाली विभिन्न जनजातियों के बीच जिस प्रकार के औषधीय पौधों (इथिनिक मेडिसनल प्लांट) का ज्ञान है तथा जिस तरह से इन पौधों से असाध्य रोग भी साध्य हो जाता है।

झारखण्ड में कुल 32 प्रकार की जनजातियां निवास करती हैं, जिसमें कुछ बहुसंख्यक हैं तो कुछ अल्पसंख्यक, कुछ जनजातियां तो इन दिनों भी खाद्य संग्रह तथा आखेट के साथ-साथ स्थानांतरित कृषि पर ही आश्रित हैं, जिसके कारण इन्हें यहां आदिम जनजाति की श्रेणी में रखा गया है, जिनकी संख्या आठ है। सौरिया पहाड़िया जो राजमहल की पहाड़ियों पर निवास करती है तथा बिरहोर जो मुख्य रूप से हजारीबाग, गुमला तथा रांची के जंगलों में रहते हैं इसी आदिम जनजाति के अंतर्गत आते हैं। इसी तरह पशुपालन, कृषि और मजदूरी पर पूर्ण रूप से निर्भर बेदिया जनजाति झारखण्ड की बहुसंख्यक जनजाति है, जो हजारीबाग के रामगढ़, गोला, मांडू, पतरातू तथा रांची के सिल्ली और ओरमांझी में निवास करती है। मानव वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर यह बात उभर कर सामने आई है कि लगभग 288 प्रकार की जंगली जड़ी-बूटी इन लोगों के बीच है जो मानव कल्याण के लिए संजीवनी बूटी के समान है, बिरहोर के बीच हत्था-जोड़ी तथा प्रेम जोड़ी नामक एक ऐसी जड़ी है, जिससे पति-पत्नी तथा प्रेमी प्रेमिका के बीच उपजे क्षणिक मतभेदों तथा कटुता तो दूर होती ही है साथ ही दोनों के बीच और भी अधिक प्यार परवान चढ़ता है।

जड़ी-बूटियां और उनसे इलाजः

1. पाताल कोहड़ा, कुजरी लत्तर का तेल पुराना सीम के लत्तर की जड़-टीबी
2. मिंजू चुटिया की जड़ तथा बरगद के तना से निकली नयी जड़ मिसरीके साथ सेवन-पतला पैखाना होने पर
3. उड़हुल फूल, सतूरी, केवामला, सिमल कन्दा, कारी जिरी, उजला फूलवाला पलाश - धात की बीमारी तथा प्रदर, जॉन्डिस
4. पान पत्ता की जड़ गुलैची फल, गोलकी, सिमजगा, मिंजूर गोड़ज्ञ-गर्भ निरोधक सदा के लिए
5. कलिहारी के लत्तर की जड़-गर्भपात को ठीक करने में
6. तीजा का जड़ - पेट की पथरी गलाने में
7. बेंग साग - पीला पेशाब या पेट की गर्मी दूर करने में
8. मोथा घास की जड़ - बवासीर
9. डुमर का फल, मिसरी - बवासीर
10. दूध, राज घास, पपीता - मां के दूध की कमी दूर करने हेतु
11. पलास का बीज, चिरौता - पेट के कीड़े का नाश करता है
12. छतनी, छटवन की छाल - शूल तथा पाचन क्रिया को ठीक करने में
13. निउरी की छाल - हैजा, निमोनिया
14. कुरसो के बीज का तेल तथा पूरण कंदा - गठिया में
15. इसरैर की जड़, सर्पगंधा, चपौट, सालमणी - सांप के विष को उतारने में
16. तेजोमला - अतिसार
17. भेंगरा - पिल्ही
18. ब्राह्मी - मस्तिष्क के रोगों में
19. काली बसाक का पता - खांसी
20. काली मसूली - हड्डी के चोट में
21. अख गंध, इच धपई - शक्ति वर्धक
22. झुरझुरी - ज्वर नाशक
23. बन प्याज - हृदय रोग

इसके अलावा कुसुम, अमलतास, मलकगनी, गुरिच, वराही कंदा भूआमला, सरफूला, तितमांट, भेंगराज, करंज, खैर, पाकड़, बेल, अर्जुन, आवंला, गोला-गोला साग, सरोंट साग, सिंदुआर साग, पीपल टुस्सी, टेवल कंदा, पेचकी, पौरेया फूल आदि भी रोगों के इलाज में काम आते है।

आदिवासियो के पारंपरिक औषधीय ज्ञान के प्राचीन ऐतिहासिक तथ्यों के अध्ययन विश्लेषण से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि आदिवासियों को जितना लगाव प्रकृति से है इतना ही खुलकर प्रकृति ने भी इन पर अपनी विशेष कृपा दृष्टि रही है। यही कारण है कि प्रकृति की हर सुविधा के साथ आदिवासियों को संपूर्ण औषधीय सुविधा प्रकृति प्रदत्त है परन्तु इससे भी बड़ी बात यह है कि आदिवासियों में प्राचीन औषधीय पौधों एवं उपयोगिता का भी जबरजस्त ज्ञान है और यह व्यवहारिक ज्ञान प्राचीन ऐतिहासिक काल खण्ड से आज तक किसी न किसी राज्य में विद्यामान हैं। अतः यह कहना सर्वथा उचित है कि आदिवासियों में पारंपरिक और ऐतिहासिक रूप से औषधीय पेड़-पौधों के व्यवहार एवं औषधीय पौधों का अकूत ज्ञान भण्डार आदिवासियो के पास विद्यामान है।

संपादकीय

टकराव नहीं सहयोग

संसद के उच्च सदन राज्य सभा में सात घंटे से अधिक समय तक चर्चा के बाद 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक-2023' पारित हो गया। विधेयक के पक्ष में 131 जबकि विरोध में 102 मत पड़े।.लोक सभा में यह विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। अब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। विधेयक पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिस तरह से दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने अधिकारियों के तबादले शुरू किए थे, उसको देखते हुए विधेयक लाना जरूरी हो गया था। दिल्ली सरकार के विरोद्ध कई मामलों की जांच कर रही विजिलेंस को अपने अधीन रखने के लिए आप सरकार बेचैन थी ताकि भ्रष्टाचार न उजागर हो। दूसरी ओर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस विधेयक को दिल्ली के लोगों को गुलाम बनाने वाला बताया। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों का मानना है कि केंद्र सरकार के पास इस विधेयक को लाने का नैतिक अधिकार नहीं है, यह संघीय संरचना पर कुठाराघात है, वगैरह-वगैरह। गृह मंत्री ने चर्चा के दौरान देश की राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान सभा में दिल्ली के अधिकार और कार्यों के बारे में चर्चा के साथ सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के साथ 1993 में इसे राज्य का दर्जा दिए जाने का पूरा ब्यौरा दिया। जाहिर है दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है, और केंद्र सरकार को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार दिल्ली के किसी भी विषय पर कानून बनाने का अधिकार है। निस्संदेह भारत एक संघ है। संविधान के अनुच्छेद 1 में उल्लिखित है कि इंड़िया जो भारत है, राज्यों का एक संघ होगा, लेकिन इसका झुकाव एकात्मक प्रणाली की ओर है। शक्तियों का विभाजन केंद्र के पक्ष में है। दक्ष राजनीतिक नेता या किसी राज्य का मुख्यमंत्री इन बातों के आलोक में ही केंद्र के साथरचनात्मक सहयोग करके अपना शासन चलाता है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के समय कभी भी केंद्र के साथ टकराव नहीं हुआ और उन्हें हमेशा केंद्र सरकार का सहयोग और समर्थन मिलता रहा। केजरीवाल अपने अल्प राजनीतिक जीवन में इस बात को समझ नहीं पाए। केंद्र सरकार का आरोप है कि केजरवाल की सरकार भ्रष्टाचार के दल-दल में आकंठ डूबी हुई है।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

संसद ही सर्वोपरि ,सरकार जीती-इंडिया हारा

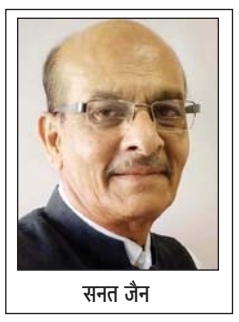

सनत जैन

राज्यसभा में विपक्षी गठबंधन इंडिया पराजित हो गई है। सरकार को 131 मत बिल के समर्थन में प्राप्त हुए हैं वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया को 102 मत ही प्राप्त हुए। बहुमत और अंकगणित के इस खेल में सरकार जीत गई, और इंडिया हार गई यही कहा जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह से संसद की सर्वोच्चता पर जवाब देते हुए केंद्र सरकार की शक्तियों को बताया। उससे इतना तो स्पष्ट हो गया कि केंद्र सरकार पूर्ण शासित राज्यों को भी जब चाहे तब उनका विघटन कर सकती है। दिल्ली संशोधन सेवा बिल केंद्र शासित राजधानी, दिल्ली राज्य के लिए लाया गया है। जहां पर राज्य सरकार को सीमित अधिकार हैं। गृहमंत्री ने कहा, जो नियम और कानून कांग्रेस की सरकार के समय बने थे। उसमें कामा और फुल स्टाप का भी अंतर नहीं है। उन्होंने पिछले 30 वर्षों का दिल्ली सरकार के अधिकार और केंद्र सरकार के अधिकार को लेकर जब तक केजरीवाल नहीं आए थे। तब तक केन्द्र और राज्य के बीच कोई झगड़ा नहीं हुआ था। तब इस तरह के बिल लाने की जरूरत नहीं थी। जब से केजरीवाल आए हैं, वह केंद्र की शक्तियों को लगातार चुनौती दे रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस बिल को लाने की दरकार हुई है ऐसा कहकर उन्होंने बिल का बचाव किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह भी बता दिया कि आंध्र प्रदेश का बंटवारा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच पीए ने किया गया था। यह सभी शक्तियां संसद के पास हैं। उन्होंने संसद की सर्वोच्चता साबित करते हुए, न्यायपालिका के अधिकारों को सीमित बताने का प्रयास किया अमित शाह ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि संसद में निर्वाचित प्रतिनिधि चुनकर आते हैं। उन्हें कानून बनाने की शक्तियां हैं। इससे स्पष्ट होता है, की न्यायपालिका ने जो कानून बनाए हैं। उनकी समीक्षा ही न्यायपालिका का कर सकती है सरकार को लगता है कि वह न्यायपालिका के निर्णय से संतुष्ट नहीं है। तो वह संविधान में समय-समय पर संशोधन भी कर सकती है। नए-नए कानून भी बना सकती हैं इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर में जब धारा 370 खत्म की गई उसके बाद जम्मू-कश्मीर राज्य को अलग-अलग राज्यों में बांटने का काम किया गया। इससे स्पष्ट हो गया कि संसद जब चाहे तब संविधान और नियम और कानूनों में जो चाहे परिवर्तन बहुमत के आधार पर कर सकती है।

यदि इसी को सच मान जाए, तो जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। उन्हें लोकसभा और राज्यसभा में पूर्ण बहुमत था ऐसी स्थिति में उन्होंने जो भी नियम कानून बनाए, उन्हें भी चुनौती नहीं दी जा सकती थी। संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार भी अब नागरिकों के सुरक्षित नहीं रहे। यदि संसद की इस सर्वोच्चता को ध्यान में रखा जाए, तो इन मौलिक अधिकारों को खत्म करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में जो अधिकार जनता को दिए गए हैं। जनता ही अपने प्रतिनिधि चुनेगी वहीं सरकार बनाएंगे। संविधान में संशोधन करके इसे भी बदला जा सकता है। जिस तरह का बदलाव जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार द्वारा दो नए केंद्र शासित प्रदेश बनाकर किया गया है। उसके बाद अब किसी भी राज्य को तोड़ना और अपने हिसाब से उसे नया स्वरूप देना, यह बहुमत के आधार पर संसद कभी भी कर सकती है। इसके बाद संघीय व्यवस्था और राज्यों के अधिकार केन्द्र सरकार की कृपा पर हो जाएंगे। यह इस बिल के पास होने से स्पष्ट हुआ है। इंडिया गठबंधन को मात्र 102 वोट मिले हैं सरकार ने बीजू जनता दल के 9 सांसद और वाईएसआर के 9 सदस्यों का समर्थन हासिल कर लिया था यदि 18 राज्यसभा सदस्य इंडिया के पक्ष में मतदान करते, तो इनकी सदस्य संख्या 120 हो जाती। एनडीए की संख्या 131 से घटकर 113 हो जाती है। अंक गणित के इस सिद्धांत को बहुमत मैं परिवर्तित करके राजनीतिक कौशल का परिचय केंद्र सरकार देकर यह बता दिया है, कि लोकसभा और राज्यसभा में यदि पूर्ण बहुमत है। तो उस सरकार को वह सब करने का अधिकार है। जो वह बहुमत के बल पर करना चाहती है। संविधान में मौलिक अधिकार का अनुच्छेद है। उसे भी सरकार बहुमत के आधार पर कभी भी बदल सकती है संविधान भी बदला जा सकता है, और नियम कानून भी अब बदले जा सकते हैं। इसको लेकर विपक्षी गठबंधन और आम नागरिकों के बीच तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है 2024 का लोकसभा चुनाव यदि इसी बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन जीत जाता है। अथवा इस तरीके के भारी बहुमत से यदि कोई भी गठबंधन संसद में पहुंच जाता है तो इसी तरह से कभी भी संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में वह जो चाहे परिवर्तन कर सकते हैं। उसे गैरकानूनी भी नहीं ठहराया जा सकेगा। इस हिसाब से इंदिरा गांधी के आपातकाल को भी गलत नहीं माना जा सकता है। ईडी, सीबीआई और जॉच एजेसिंयों का उपयोग राजनैतिक उपयोग के लिये किये जाने के आरोप लग रहे है। सांसदों के अधिकार विहिप ने सीमित कर दिये है। यह चिंता की बात है।

रोहिंग्या : सख्ती और संजीदगी से निपटना होगा

प्रमोद भार्गव

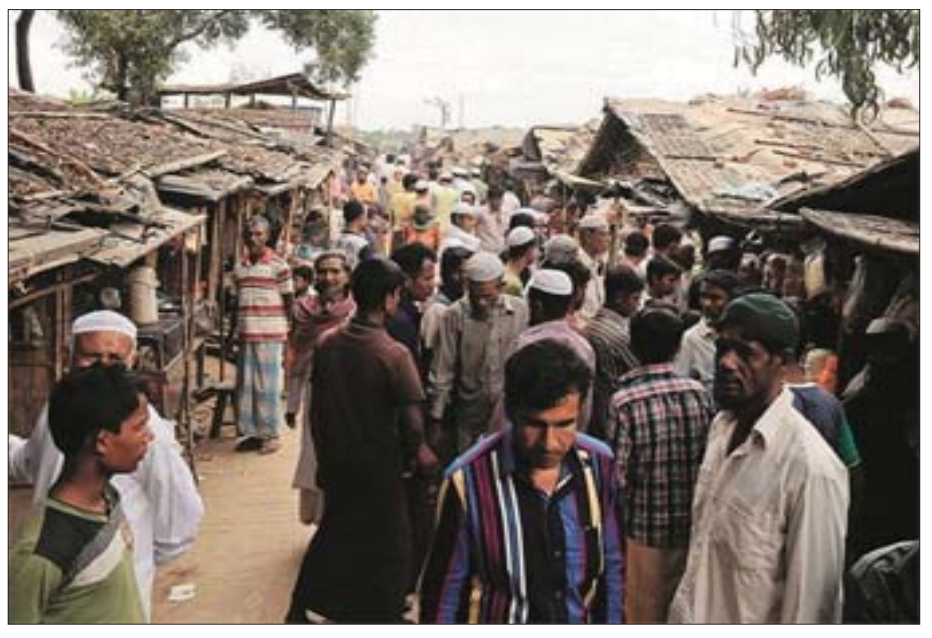

मणिपुर और हरियाणा समेत देश के अनेक क्षेत्रों में रोहिंग्या मुस्लिमों का आतंक और हिंसा से जुड़े होने के स्पष्ट प्रमाण मिल चुके हैं।

बावजूद तथाकथित मानवतावादी इन घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। मणिपुर के बाद हरियाणा के मुस्लिम बहुल क्षेत्र मेवात तक हिंसा, आगजनी और हत्या की जो घटनाएं सामने आई हैं, उनमें रोहिंग्या की संलिप्ता सामने आई है। म्यांमार से आए कुकी समुदाय का साथ देने के लिए बड़ी संख्या में रोहिंग्या भारत आए थे। पश्चिम बंगाल समेत पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में रोहिंग्या बस्तियां बस चुकी हैं। बैंगलुरू में भी इनकी अवैध बसाहट संकट का सबब बनी हुई है। अनुच्छेद 370 हटने से पहले जम्मू-कश्मीर सरकार ने तो इन्हें यहां की धरती पर बसने की वैधता के प्रमाण-पत्र भी दे दिए थे।

हरियाणा में नूंह की हिंसा के बाद इनकी अवैध बस्तियों पर बुलडोजर भी चलाया गया। इस हिंसा में अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र होने के प्रमाण भी मिले हैं। 27 जुलाई को इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल ने हिन्दी में एक ट्विट कर देश का सद्भाव बिगाड़ने के लिए बारूद का काम किया। यह भारत विरोधी संगठन है, जिसे अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस संरक्षण दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाने के प्रयास में भी सोरोस कई संगठनों को आर्थिक मदद कर रहे हैं।

अलबत्ता, मणिपुर से हरियाणा तक की हिंसा में रोहिंग्याओं की लिप्तता के संकेत मिल रहे हैं, इसलिए इस हकीकत पर पर्दा डालने की दृष्टि से ह्यरोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिवह्न ने 18 अगस्त को भारत में इनकी सुरक्षा को लेकर बैठक बुलाई है जबकि रोहिंग्या युवकों के हिंसा में शामिल होने के आरोप में अनेक प्राथमिकियां थानों में दर्ज हैं। भारत को अस्थिर करने के लिए तथाकथित विदेशी ताकतें रोहिंग्याओं को औजार बनाने का काम कर रही हैं। म्यांमार में दमन के बाद करीब एक दशक में रोहिंग्या मुस्लिम भारत, नेपाल, बांग्लादेश, थाईलैंड, इंडोनेशिया, पाकिस्तान समेत 18 देशों में पहुंचे हैं। एशिया में जिन देशों में इनकी घुसपैठ हुई है, उनमें से छह देशों की सरकारों के लिए ये परेशानी का सबब बने हुए हैं।

भारत में इनको लेकर कई दिक्कतें पेश आ रही हैं। देश में इनकी मौजूदगी से एक तो आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, दूसरे इनके तार आतंकियों से भी जुड़े पाए गए हैं। प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन पीएफआई से इनके संबंधों की तस्दीक हो चुकी है। नतीजतन, देश में कानून व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो रही है। भारत में गैर-कानूनी ढंग से घुसे रोहिंग्या किस हद तक खतरनाक साबित हो रहे हैं, इसका खुलासा अनेक रिपोटरे में हो चुका है, बावजूद भारत के कथित मानवाधिकारवादी इनके बचाव में बार-बार आगे आ जाते हैं जबकि दुनिया के सबसे बड़े और प्रमुख मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि म्यांमार से पलायन कर भारत में शरणार्थी बने रोहिंग्या मुसलमानों में से अनेक ऐसे हो सकते हैं, जिन्होंने म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत में हिन्दुओं का नरसंहार किया हो?

भारत की सख्ती के चलते कुछ रोहिंग्या घुसपैठ में असफल होकर नेपाल चले गए हैं। वहां इन्हें जिहादी गुटों से आतंक को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आर्थिक मदद मिल रही है। पाकिस्तान में भी करीब ढाई लाख रोहिंग्या पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर को आतंकवाद का प्रशिक्षण देकर बांग्लादेश की सीमा से भारत में टुकड़ियों में प्रवेश करा दिया जाता है। हैरानी होती है कि इन घुसपैठियों को कुछ लोग एवं गिरोह भारत की नागरिकता का आधार बनाने के लिए मतदाता पहचान-पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड भी बनवा कर दे रहे हैं जिससे इन्हें भारत के नगरों में बसने में कोई परेशानी न हो। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने 2021 में ही रोहिंग्या मुसलमानों को देश में नहीं रहने देने की नीति पर शीर्ष अदालत में एक हलफनामा देकर साफ किया था कि रोहिंग्या गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल हैं। ये अपने साथियों के लिए फर्जी पैन कार्ड, वोटर आईडी और आधार कार्ड उपलब्ध करा रहे हैं।

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, सभी राज्यों को रोहिंग्या समेत सभी अवैध शरणार्थियों को वापस भेजने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आशंका जताई गई है कि जम्मू के बाद सबसे ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी हैदराबाद में रहते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें जम्मू-कश्मीर में रह रहे म्यांमार के करीब 15,000 रोहिंग्या मुसलमानों की पहचान करके उन्हें अपने देश वापस भेजने के तरीके तलाश रही हैं। रोहिंग्या मुसलमान ज्यादातर जम्मू और सांबा जिलों में रह रहे हैं। इसी तरह आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में भी 3800 रोहिंग्याओं के रहने की पहचान हुई है। आंध्र प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के अलावा असम, प. बंगाल, केरल और उत्तर प्रदेश में लगभग 40,000 रोहिंग्या भारत में रह रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना रोहिंग्या के मुद्दे के सामाधान के लिए भारत की ओर देख रही हैं। उन्होंने कहा है कि इस समस्या के हल के लिए भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। भारत और बांग्लादेश को रोहिंग्याओं को इनके मूल देश में भेजने के लिए खुद ही कठोर उपाय करने होंगे।

नगर निकायों, प्राधिकरणों व कई विभागों में 8,170 करोड़ की अनियमितता

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी विधानसभा में पेश लोकल ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2018–2019 में कराए गए लोकल ऑडिट में सबसे अधिक अनियमितता नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों के अलावा विकास प्राधिकरणों और नोएडा प्राधिकरण में सामने आई हैं। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा (लोकल ऑडिट) की ओर से विभिन्न विभागों के परीक्षण में करीब 8170.52 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता उजागर हुई है। वित्तीय वर्ष 2018–2019 में कराए गए लोकल ऑडिट में सबसे अधिक अनियमितता नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों के अलावा विकास प्राधिकरणों और नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) में सामने आई है।

वित्त मंत्री व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में लोकल ऑडिट की रिपोर्ट रखी। इसके मुताबिक विभिन्न नगर निकायों में गृहकर निर्धारण, आउटसोर्सिंग पर कर्मचारियों की नियुक्ति करने के साथ ही निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई। सिर्फ नगर निगमों में 640 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई है। इसी प्रकार विकास प्राधिकरणों में भी बिल्डरों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए विकास शुल्क की गणना करने और भूमि आवंटन आदि के कार्यों में गड़बड़ी की गई। इससे करीब 3,362 करोड़ रुपये का सरकार को नुकसान हुआ है। नोएडा प्राधिकरण में भी 2313 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई है। इसके अलावा करीब एक दर्जन से अधिक विभागों और संस्थानों की लोकल ऑडिट में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। लोकल ऑडिट टीम ने बदायूं की नगर पंचायत इस्लाम नगर और आगरा की नगर पालिका परिषद एत्मादपुर का अलग से ऑडिट किया है। इन दोनों में भी गड़बड़ियां मिलीं।

पत्नी को वीडियो कॉल कर जन्मदिन की बधाई दी...फिर लगा ली फांसी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में पारा के आदर्श विहार इलाके में एक पुरोहित ने सोमवार शाम पत्नी को वीडियो कॉल कर जन्मदिन की बधाई दी और अचानक गले में फंदा डालने के बाद कॉल कट कर दी। आनन–फानन पत्नी ने उसके दोस्तों को फोनकर घर भेजा। वे दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुए तो देखा कि पुरोहित का शव फंदे से झूल रहा था। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। खुदकुशी की वजह साफ नहीं हो सकी है। तफ्तीश जारी है। आदर्श विहार निवासी पुरोहित संतोष कुमार झा (48) घर पर अकेले रहते थे। पत्नी योगिता दिल्ली में दोनों बच्चों मोहन और यशिका के साथ रहती हैं। योगिता के मुताबिक सोमवार शाम 6रू35 बजे संतोष ने उनको वीडियो कॉल कर जन्मदिन की बधाई दी और बहकी–बहकी बातें करने लगे। वह बार–बार कह रहे थे कि कभी कुछ गलत किया हो तो माफ कर देना। योगिता कुछ समझ नहीं पा रही थीं। इसी दौरान संतोष ने अपने गले में फांसी का फंदा डाल लिया। योगिता कुछ कह पातीं, इससे पहले कॉल कट हो गई। योगिता ने इसकी जानकारी पारा में रहने वाले संतोष के दोस्त को दी तो वह संतोष के घर पहुंचे। दरवाजा न खोलने पर कुछ लोग इकट्ठा हुए और दरवाजा तोड़ दिया। भीतर कमरे में गए तो संतोष का शव लटकता मिला। इस पर पुलिस को सूचना दी। योगिता ने बताया कि कुछ देर तक उनको मजाक लगा, लेकिन जब उन्होंने कई बार कॉल की और उसका जवाब नहीं मिला तब अनहोनी की आशंका हुई। इसके कुछ देर बाद ही पता चला कि संतोष ने फांसी लगा ली है।

ट्रैवल एंड ट्रांसपोर्ट अश्वनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

बैठक में नौ सूत्रीय मांगो का ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौपा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ ट्रैवल एंड ट्रांसपोर्ट ऑनर्स वेलफेयर एसोसिएशन उ प्र संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने मगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग मुलाकात कर परिवहन विभाग की समस्याओ से संबधित नौ सूत्रीय मांगो का पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपा। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष पीयूष गुप्ता महामंत्री दिनेश सिंह उपाध्यक्ष रवी आनंद कोषाध्यक्ष अनिल शुक्ला मौजूद रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रमुख मांगो पर बताया कि भारत में सबसे ज़्यादा रोड टैक्स उत्तर प्रदेश में होने के कारण और फिटनेस इत्यादि पर भ्रष्टाचार होने के कारण सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्राइवेट टैक्सी वाहनो का संचालन लगभग 85 प्रतिशत बढ़ चुका है सरकारी अथवा गैर सरकारी विभागों में भी इनका संचालन धड़ल्ले से हो रहा है,अब तो ऑनलाइन कम्पनियों में ओला–ऊबर में भी प्राइवेट टैक्सी वाहनो का चलन अवैध रूप से आरम्भ हो चुका है,जिस कारण अब टैक्सी वाहनो एवं व्यापारियों के व्यापार में पतन बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है,इस सम्बंध में विभागीय स्तर पर शिकायत करने पर सक्रियता ना होने के कारण बहुत बुरा हाल है। बैठक दौरान मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया इस विषय पर हम पूर्णतः अवश्य जाँच करवाएँगे और रोड टैक्स का विषय भी गम्भीर है इस विषय पर भी बैठक कर जल्द निस्तारण करने का प्रयास किया जायेगा।

आशाबहू को थप्पड़ मारने के मामले में डाक्टर आरोपी, निलंबन तय

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज सीएचसी में अल्ट्रासाउंड के लिये 200रूपये सुविधा शुल्क ना देने पर आशाबहू सरोजन को थप्पड़ मारने वाले डाक्टर हवलदार भारती की मुसीबत बढ गई हैंडिप्टी सीएम बृजेश पाठक के निर्देश पर सीएमओ की टीम ने सीसीटीवी फुटेज में डाक्टर द्वारा आशाबहू को थप्पड़ मारने की पुष्टि के बाद आरोपी डाक्टर पर कार्यवाही के लिये शासन को रिपोट भेजी हैं।जांच में डाक्टर पर आरोप सिद्व होने के बाद सीएचसी से हटाकर आरोपी डाक्टर को सीएमओ कार्यालय में संबद्ध कर दिया गया है।शासन को भेजी गयी जांच रिपोट के आधार पर आरोपी डाक्टर का निलंबन तय माना जा रहा हैं।आशाबहुओ ने आरोपी डाक्टर पर कार्यवाही के लिये एकजुट होकर प्रदर्शन करते हुये सीएचसी ओपीडी में ताला जड़ दिया था,जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित आशाबहू सरोजन की तहरीर पर आरोपी डाक्टर हवलदार भारती के विरूद्व मारपीट समेत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ में मुकदमा दर्ज किया था।वही आशाबहुयें आरोपी डाक्टर के निलंबन समेत कड़ी विभागीय कार्यवाही ना किये जाने पर बड़े प्रदर्शन का अल्टीमेटम स्वास्थ विभाग के अफसरो को दिया हैं।जिसके चलते शासन को कार्यवाही के लिये भेजी गयी जांच रिपोट में डाक्टर पर निलंबन की कार्यवाही तय मानी जा रही हैं।

३० की रात से ३१ अगस्त की सुबह तक मनाया जाएगा

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षाबंधन 30 अगस्त की रात से 31 की सुबह तक मनाया जाएगा। राजधानी के ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि भद्राकाल की वजह से ऐसा होगा। उनका कहना है कि राखी का त्योहार हमेशा ही भद्रामुक्त काल में मनाया जाता है और शुभ मुहूर्त में ही बहनें राखी बांधती हैं।

ज्योतिषाचार्य धीरेंद्र पांडेय के मुताबिक, 30 अगस्त की सुबह 10.13 बजे पूर्णिमा शुरू हो जाएगी, लेकिन भद्रा का साया रहेगा। भद्रा रात 8 बजकर 57 मिनट पर खत्म होगी। 31 अगस्त की सुबह उदया तिथि में पूर्णिमा का मान 7.46 बजे तक रहेगा। यह सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त है। ज्योतिषाचार्य राधेश्याम शास्त्री के मुताबिक, भद्रा के कारण रक्षाबंधन 30 की सुबह से शुरू हुई पूर्णिमा में नहीं मनाया जा सकता है। उदया तिथि में ही मान होता है। काशी के ज्योतिषाचार्य रंगनाथ उपाध्याय कहते हैं कि उदया तिथि के मान के अनुसार, रक्षाबंधन का त्योहार 31 अगस्त को ही मनाया जाएगा।

पिछले साल भी रक्षाबंधन 11 या 12 अगस्त को मनाए जाने को लेकर जबर्दस्त ऊहापोह की स्थिति रही थी। लखनऊ से लेकर काशी तक गहन मंथन के बाद तय हुआ था कि राखी 11 अगस्त को ही मनाई जाएगी। तब स्वर्गलोक की भद्रा बताकर उसके दोष को नजरअंदाज कर दिया गया था। तब ज्योतिषाचार्यों का मत था कि 11 को त्योहार मनाने में भद्रा बाधक नहीं है।

महाठग शेरपुरिया के खिलाफ 17 को तय होंगे आरोप, मनी लॉड्रिंग, हवाला और टैक्स चोरी जैसे करता है काम

लखनऊ (संवाददाता)। महाठग संजय राय शेरपुरिया के खिलाफ 17 अगस्त को आरोप तय किए जाएंगे। स्पेशल सीजेएम ने इस दिन संजय शेरपुरिया को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। शेरपुरिया पर विशिष्ट लोगों से संपर्क का झांसा देने, लोगों के नाम पर संस्थान बनाकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने और फर्जी कंपनियां चलाने का आरोप है।

पत्रावली के अनुसार एसटीएफ के इंस्पेक्टर सचिन कुमार ने लखनऊ के विभूति खंड थाने में 25 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक अभिसूचना विभाग ने एसटीएफ को जानकारी दी कि आरोपी शेरपुरिया कई साल से अलग–अलग नाम व कंपनियों के जरिये लोगों से धोखाधड़ी कर धन उगाही कर रहा है। एसटीएफ ने इस मामले की जांच की। इसमें पता चला कि आरोपी पहले कांडला एनर्जी एंड कैमिकल समेत कई कंपनियों का निदेशक रहा लेकिन कंपनियों के बैंक डिफाल्टर हो जाने के बाद उसने अलग अलग नाम से कई आईडी बनवाई और उससे कई अन्य कंपनियां बनाई है।

बताया गया कि आरोपी का मुख्य कार्य लोगों को सरकार और बड़े अधिकारियों तक अपनी पहुंच दिखाकर धन उगाही करना है। वह मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और टैक्स चोरी जैसे काम भी करता है। मामले की विवेचना के बाद एसटीएफ ने आरोपी संजय शेरपुरिया के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दायर की है। वहीं, उसके साथियों के खिलाफ विवेचना चल रही है।

दिल्ली से भटकी हुई मंदबुद्धि युवती की मदद मे कृष्णानगर पुलिस ने बढ़ाये हाथ

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। दिल्ली से भटक लखनऊ पहुंची मंदबुद्धि युवती को कृष्णा नगर पुलिस ने थाना क्षेत्र स्थित बाराविरवा लेबरमंडी में बदहवास अवस्था में युवती को थाने ला महिला डेस्क पर महिला पुलिस कर्मियों ने युवती को चाय व खाना खिला मानवता का परिचय दिया है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह थाना क्षेत्र स्थित बाराविरवा लेबरमंडी में बदहवास अवस्था में दिल्ली से भटक लखनऊ पहुंची मंदबुद्धि युवती मिली थी। युवती के दाहिने हाथ पर गुदे मोबाइल नंबर पर संपर्क कर पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया। उसके परिजनो ने बताया कि वह लोग नई दिल्ली के सेक्टर 5 थाना क्षेत्र अंतर्गत लंबीकला के मकान नं० सी 280 में रहते हैं। उनकी मंदबुद्धि युवती का नाम पिंकी पुत्री सैनुद्दीन है जिसकी उम्र लगभग 34 वर्ष है। कोतवाली प्रभारी कृष्णा नगर के मुताबिक युवती के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। युवती का मेडिकल कराकर परिजनों के आने पर सुपुर्द कर दिया जाएगा।

सुबह–शाम सिरदर्द बना जाम

लखनऊ (संवाददाता)। स्कूलों की छुट्टी होने के बावजूद मंगलवार को शहर जाम में जूझा। हनुमान सेतु और केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास सुबह के वक्त वाहनों की लंबी–लंबी कतारें लग गईं। लोगों ने हनुमान मंदिर के बगल से जाने वाली रोड का सहारा लिया तो वहां भी जाम लग गया। हनुमान सेतु और केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास हादसे वाले स्थलों को सुधारने के लिए काम चल रहा है। इसको लेकर निर्माण स्थल पर की गई बैरिकेडिंग से सड़क संकरी हो चली है। इसकी वजह से हनुमान सेतु से परिवर्तन चौक जाने वाली रोड पर भीषण जाम लगा। दफ्तर जाने के लिए घर से निकले लोग जाम में जूझते रहे। देखते ही देखते वाहनों की कतार हनुमान मंदिर तक लग गई। दफ्तर जाने की जल्दी में लोगों ने हनुमान मंदिर के बगल से जाने वाली रोड पर अपने वाहन मोड़ लिए, तो वहां भी जाम लग गया।

पांच विभागों ने लगा दिया 3640 करोड़ रुपये का चूना, राज्य कर विभाग शीर्ष पर

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य सरकार के पांच विभागों के अधिकारियों ने लापरवाही और अनियमितताओं की वजह से 3640 करोड़ रुपये का नुकसान कर दिया है। राजस्व क्षति वाले इन शीर्ष पांच विभागों में पहले नंबर पर स्टेट जीएसटी, दूसरे नंबर पर आबकारी विभाग, तीसरे पर खनन, चौथे पर स्टांप व पंजीयन और पांचवें पर वाहन व यात्री कर विभाग हैं। यह खुलासा मंगलवार को विधानसभा में रखी गई भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में हुआ।

सीएजी रिपोर्ट ने राजस्व क्षेत्र में फैली अनियमितताओं, लापरवाहियों और भ्रष्टाचार को उजागर किया है। इसी का नतीजा है कि केवल एक साल में राजस्व जुटाने वाले पांच विभागों ने सरकारी खजाने को 3640 करोड़ रुपये की चपत लगा दी है। राज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी) में गलत तरह से दिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। स्टेट जीएसटी की 1525 करोड़ रुपये की अनियमितताओं में से करीब 1446 करोड़ रुपये के मामले अकेले फर्जी आईटीसी से संबंधित हैं। करीब 31 करोड़ रुपये कैश लेजर से ज्यादा वापस कर दिए गए। बिना टैक्स दिए ही डेवलपरों को 27 करोड़ रुपये दे दिए गए।

सीएजी ने स्टांप व निबंधन विभाग के 60 उप निबंधक कार्यालयों में स्टांप शुल्क और बंधक दस्तावेजों की सैम्पल जांच की। इनमें 708 मामलों में 351 करोड़ रुपये से ज्यादा की गड़बड़ियां पकड़ी गईं। जिसमें 300 करोड़ से ज्यादा मामले बंधक दस्तावेजों पर लगाए गए स्टांप से जुड़े थे। खनन विभाग भी अनियमितताओं में पीछे नहीं है। सीएजी ने जांच में प्रदेश के 13 जिला खान अधिकारियों के दस्तावेजों की जांच की। जिसमें 3588 मामलों में पाया गया कि रॉयल्टी या तो कम ली गई या ली ही नहीं गई। इस तरह कुल 440 करोड़ रुपये का नुकसान सरकारी खजाने को किया गया। जांच में पाया गया कि 119 करोड़ रुपये की रॉयल्टी वसूली ही नहीं गई। पट्टों पर कम स्टांप शुल्क लगाकर छह करोड़ से ज्यादा की चपत लगाई गई।

वाहन, माल और यात्री कर विभाग की जांच में भी लगभग 48 करोड़ रुपये की गड़बड़ी पकड़ी गई। सीएजी ने 76 इकाइयों में से 11 इकाइयों के 16,379 फाइलों की जांच में ये अनियमितता पाईं। इसमें सबसे ज्यादा 4165 मामले ऐसे थे, जिनमें 25 करोड़ रुपये के टैक्स की वसूली कम की गई। वसूली प्रमाणपत्रों को ठंडे बस्ते में डालने से भी 10 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो गया।

उधर, आबकारी विभाग की सीएजी जांच में 1276 करोड़ रुपये का घपला पकड़ा गया। जांच में 128 इकाइयों में से 29 इकाइयों की 2519 फाइलों की जांच में ये खुलासा हुआ। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान दस्तावेजों में आबकारी सामग्री के कम उपभोग की जानकारी दर्ज करने से हुई। इस मद में 1078 करोड़ रुपये की राजस्व क्षति हुई। अधिकारियों ने अनुज्ञापन शुल्क न लेकर 164 करोड़ रुपये का नुकसान किया।

पति से तलाक के बाद मायके में रह रही महिला ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज।पति से तलाक के बाद अपने मायके नगराम के मितौली गांव में रह रही महिला ने बुद्वार को फांसी लगाकर जान दे दी।पड़ोसी की सूचना के बाद खेत से परिजन घर पहुंचे तो कोहराम मच गया।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। नगराम के मितौली गांव निवासी देशराज रावत ने बताया बेटी वंदना(27वर्ष) का विवाह 2016 में सुनील निवासी गरीबखेड़ा से किया था।पति की आये दिन प्रताड़ना के चलते एक साल पहले तलाक लेने के बाद बेटी वंदना उनके साथ घर पर रहती थी,जब कि उसके दोनो बच्चे अपने पिता के पास रहते थे,बुद्वार को वो घर से बाहर चला गया ओर पत्नी रामरती बहू उर्मिला के साथ खेतो में काम करने चली गयी ओर बेटा राजन अपनी नौकरी पर चला गया,जिसके बाद घर में अकेली बेटी वदंना ने घर के प्रथम तल में बने कमरे की छत में लगे लोहे के हुक में रूपट्टे के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी।पड़ोसी फूलचन्द्र की पत्नी ने घर में कोई हलचल ना होने पर कई आवाजे देने के बाद भी बेटी द्वारा कोई प्रतिक्रिया ना देने पर सीढियों से घर के प्रथम तल पर जाकर कमरे का दरवाजा खोलकर देखा तो बेटी का शव रूपट्टे के सहारे लटकता देख दंग रह गयी,जिसके बाद खेत गयी पत्नी व बहू को सूचना दी,दोनो खेत से घर पहुंची तो कोहराम मच गया।बेटे राजन की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बेटी के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।नगराम इंस्पेक्टर हेमंत कुमार राघव ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में डिप्रेशन के चलते फांसी लगाकर जान देने की पुष्टि हुयी,पीएम रिपोट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

मायावती ने उठाया सवाल, बोलीं– राष्ट्रीय स्तर पर करवाई जानी चाहिए

लखनऊ (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि ओबीसी समाज की आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक स्थिति का सही आकलन कर उसके हिसाब से विकास योजना बनाने के लिए बिहार सरकार द्वारा कराई जा रही जातीय जनगणना को पटना हाईकोर्ट ने पूर्णतया वैध ठहराया है। अब सबकी निगाहें यूपी पर टिकी है कि यहां यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में जातीय जनगणना के बाद यूपी में भी इसे कराने की मांग लगातार जोर पकड़ रही है बावजूद इसके वर्तमान भाजपा सरकार भी इसके लिए तैयार नहीं लगती है। यह बेहद चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि बसपा की मांग केवल यूपी में ही नहीं बल्कि केंद्र को राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति जनगणना करनी चाहिए।

महिला शिक्षिकाओं का टूटा धैर्य, सीएम आवास किया कूच, पुलिस ने रोका रास्ता

लखनऊ (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग में हाल ही में एक से दूसरे जिले में हुए तबादले के बाद कार्य मुक्ति के लिए धरना दे रही महिला शिक्षिकाओं का धैर्य मंगलवार को जवाब दे गया। महिला शिक्षिकाएं राज्य शैक्षिक तकनीकी परिषद (एससीआरटी) से मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच कर गईं। हालांकि सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें लोहिया पथ पर रोक लिया और बस से ईको गार्डन पहुंचा दिया।

बेसिक स्कूलों में हाल में हुए तबादले में लगभग 4500 महिला शिक्षिकाएं ऐसी हैं जो 69000 शिक्षक भर्ती की हैं। 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षण का मामला न्यायालय में होने के कारण विभाग ने इस भर्ती के शिक्षकों के तबादले पर रोक लगा दी है। इससे नाराज महिला शिक्षिकाएं सोमवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय पर देर शाम तक धरने पर बैठी रहीं।

वहीं मंगलवार सुबह वह एससीआरटी पहुंच गईं और फिर धरना शुरू कर दिया। उन्हें यह उम्मीद थी कि बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल यहां मिलेंगे और उनकी इस मुद्दे पर वार्ता होगी। किंतु दोपहर तक सचिव यहां नहीं पहुंचे। छोटे–छोटे बच्चे लेकर धरने में शामिल महिला शिक्षिकाएं नाराज होकर सीएम आवास की ओर कूच करने निकल गईं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बात रखेंगी। हालांकि पुलिस ने उन्हें लोहिया पथ पर रोक लिया। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों के लिए हुई 69000 शिक्षक भर्ती को लेकर विवाद समाप्त होता नहीं दिख रहा है। परीक्षा में विवादित प्रश्नों के मामले में शैक्षिक परिभाषा से जुड़े सवाल के चारों विकल्प को गलत मानते हुए 2249 अभ्यर्थियों को एक अंक का लाभ देने का निर्देश पहले हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट में भी दिया गया। हालांकि अभी तक अभ्यर्थी इसके लिए भटक रहे हैं। इसी से जुड़े अभ्यर्थियों ने मंगलवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय को बाहर डेरा डाल दिया। उन्होंने कहा कि उनके मामले में मेरिट के अनुसार चयन का आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 25 अगस्त 2021 को दिया था। सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट गई, जिसे 09 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करते हुए हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। इस आदेश को आए दस माह बीतने पर भी नियुक्ति से वंचित सैकड़ों अभ्यर्थी प्रयागराज और लखनऊ के चक्कर काट रहे हैं।

शिक्षामित्रों के लिए बुरी खबर, न तो मानदेय बढ़ाएगी और न ही नियमित करेगी सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा है कि सरकार शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने या नियमित करने पर विचार नहीं कर रही है। सपा विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने सवाल किया था कि बढ़ती महंगाई के कारण प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने व नियमित करने पर सरकार विचार करेगी। इसके जवाब में बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षामित्रों का मानदेय पूर्व में बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है।

न्यूज सार

सपा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष के बेटे की लुधियाना में हत्या

सलोन (रायबरेली) (ब्यूरो)। सलोन के सपा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष के बेटे की पंजाब के लुधियाना में सोमवार रात चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। लूट के इरादे से घटना को अंजाम दिया गया। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार लुधियाना पुलिस ने तीन हत्यारोपियों को दबोच लिया है। युवक की हत्या की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया।

सलोन कोतवाली क्षेत्र के भोलागंज मजरे ममुनी गांव निवासी सिद्धार्थ यादव (20) एक महीने पहले नौकरी की तलाश में पंजाब गया था। पंजाब के लुधियाना स्थित फोकल प्वाइंट फेस–आठ में बीएच इंजीनियरिंग कंपनी में उसे सुपरवाइजर की नौकरी मिल गई थी। सोमवार रात लगभग नौ बजे सिद्धार्थ कंपनी के पास स्थित होटल से खाना खाकर अपने कमरे की तरफ पैदल लौट रहा था। अचानक बाइक से आए तीन बदमाशों ने उसका मोबाइल व पैसा छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। खून से लथपथ सिद्धार्थ को देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया। शोर मचने पर आरोपी भाग निकले। उसे सिविल अस्पताल लुधियाना पहुंचाया गया, लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक हत्यारोपी बंटी, लकी व सोनू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रहनुमा ने आकाश संग मंदिर में रचाई शादी

सिधौली (सीतापुर) (ब्यूरो)। कोतवाली क्षेत्र में मुस्लिम युवती ने अपने प्रेमी से मंदिर में विवाह रचाया। इस दौरान हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। शादी के बाद युवती ने अपना नाम भी परिवर्तित कर लिया है।

कमलापुर थाना क्षेत्र के जड़ौरा मास्टरबाग निवासी आकाश चौधरी व रहनुमा एक–दूसरे से प्रेम करते हैं। दोनों के अलग–अलग समुदाय से होने के कारण शादी में अड़चन आ रही थी। दोनों ने विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से मदद की गुहार की। इसके बाद दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने युवक और युवती की उम्र की पड़ताल की। बालिग होने के बाद कमलापुर थाने की पुलिस के माध्यम से लड़की का बयान दर्ज करवाया। इसके बाद कस्बे से सटे अलादादपुर स्थित चिंताहरण शिव मंदिर में प्रेमी जोड़े की शादी हिंदू रीति–रिवाज से कराई गई।

शादी से पहले रहनुमा ने हिन्दू रीति रिवाजों का अनुसरण करने का संकल्प लेते हुए अपना नाम रागिनी रख लिया। इस दौरान विहिप के जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, प्रांत गोशाला प्रमुख बच्चे बाजपेई, शिवम मिश्र ,आदित्य त्रिपाठी, राममोहन शुक्ल, अतुल तिवारी आदि मौजूद रहे।

अपहरण के दोषियों को पांच-पांच साल की कैद

सीतापुर (ब्यूरो)। सकरन थानाक्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बच्ची को बहलाकर ले जाने के मामले में कोर्ट ने दो अभियुक्तों को दोषी ठहराया है। मामले की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीशफास्ट ट्रैक कोर्ट (ओएडब्ल्यू) ने दोनों को पांच–पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। दोनों पर 10–10 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी संदीप त्रिपाठी ने बताया कि थाना सकरन के एक गांव की नाबालिग को 22 जनवरी 2011 को थाना तालगांव निवासी हेमराज, खूबचंद, जगदीश कुमारी, रामदुलारी, लीला, उदयराज व मोछई बहलाकर कहीं लेकर चले गए थे। विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़िता को खोज लिया। न्यायाधीश नरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने मामले की सुनवाई की। हेमराज, खूबचंद, जगदीश कुमारी, रामदुलारी और लीला के विरुद्ध पर्याप्त सबूत न होने पर उन्हें दोषमुक्त कर दिया। जबकि उदय राज व मोछई को दोषी पाते हुए दोनों को पांच–पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। दोनों पर 10–10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

दो मोरों की गई जान, एक खेत में मिला तो दूसरे का वाहन ने रौंदा

शाहगंज, अयोध्या (ब्यूरो)। ब्लॉक हैरिंग्टनगज पुलिस चौकी शाहगंज अंतर्गत ग्रामसभा जाखा उमरनी गांव में सोमवार रात राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंचे पुलिस चौकी इंचार्ज अनुराग पाठक ने वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग बीट इंचार्ज सुनील कुमार दुबे, मुन्नीलाल यादव ने मोर के शव को पशु चिकित्सालय हैरिंग्टनगंज लाए। पशु चिकित्सक विवेक शुक्ला ने बताया कि उनके पहुंचने से पहले ही मोर की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम करने के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव को वन कर्मियों को सौंप दिया गया। वन कर्मी मुन्नीलाल द्वारा बताया गया कि मोर के शव को राष्ट्रीय सम्मान के साथ नर्सरी पलिया लोहानी दफन कर दिया गया। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। बताया गया कि हादसा मंगलवार शाम चार बजे कोतवाली क्षेत्र के भगौती नगर तिराहे के समीप प्रयागराज हाईवे पर हुआ। वन विभाग के वनरक्षक बबलू प्रसाद व वनकर्मी बबलू शर्मा ने बताया कि पशु चिकित्सालय बीकापुर में पोस्टमार्टम कराने के बाद मोर के शव को बसंतपुर पौधशाला ले जाकर सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

पिता और उसके साथी ने बेटे को मारी गोली, अपनी ही बेटी पर थी गलत नीयत

अयोध्या (ब्यूरो)। एक अधेड़ अपनी ही बेटी को गलत नीयत से कमरे में खींचकर ले जा रहा था। बेटे ने इसका विरोध किया तो पिता ने अपने साथी के साथ मिलकर उसे गोली मार दी। इनमें से एक गोली बेटे के जबड़े पर लगी और दूसरी कंधे पर। गंभीर रूप से घायल भाई को लेकर बहन पैदल ही थाने पहुंची। पुलिस ने उसे दर्शननगर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। वहीं घटना के बाद से आरोपी पिता और उसका साथी फरार हैं। घटना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की है। सोमवार देर रात एक घर में पिता–पुत्र के बीच आपस में विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, बताया जाता है कि पिता की अपनी ही पुत्री पर गलत नीयत थी। रात में वह शराब के नशे में पुत्री को खींचकर कमरे के अंदर ले जा रहा था। इसका विरोध उसके भाई ने किया। इससे नाराज पिता घर से बाहर निकला, कुछ ही देर में अपने एक साथी मनीष के साथ घर आया और अपने ही बेटे पर गोली चला दी। गंभीर रूप से घायल अपने भाई को लेकर बहन घर से करीब पांच किलोमीटर दूर पैदल ही महाराजगंज थाने पहुंची। जहां उसकी हालत देखकर पुलिस ने अस्पताल भेजवाया, साथ ही इसकी सूचना थाना गोसाईगंज पुलिस को दी। सूचना पर गोसाईगंज थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह गांव पहुंचे और घटनास्थल की जांच की।

जरा सी भूल ने उजाड़ दिया पूरा परिवार चार्जर के कटे तार की चपेट में आने से नींद में ही मां-बेटे की मौत

सीतापुर (ब्यूरो)। सीतापुर में मोबाइल का चार्जर जानलेवा बन गया। चार्जर के कटे तार की चपेट में आने से मां–बेटे की नींद में ही मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में मातमी माहौल है।

चार्जर के कटे तार पर सोते समय हाथ पड़ जाने से बुधवार रात बेटे और मां की करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। क्षेत्र के भगौतीपुर गांव निवासी जगदीश की पत्नी रामसहेली (50) और उसका पुत्र अनूप उर्फ रोहित (15) रात में सो रहे थे। दोनों के सिरहाने मोबाइल चार्ज करने के लिए एक चार्जर बोर्ड रखा था।

परिजनों के अनुसार सोते समय अनूप का हाथ चार्जर के कटे हुए तार पर पड़ गया और मां–बेटे दोनों ही करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। परिजन आननफानन सीएचसी रामपुर मथुरा लेकर गए जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एसओ रामपुर मथुरा महेश चंद्र पांडे ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। वहीं दूसरी ओर इस दर्दनाक हादसे से गांव में मातमी माहौल है।

एक जरा सी भूल ने पूरे परिवार की खुशियों को उजाड़ कर रख दिया। मृतक रोहित अपने भाइयों में सबसे छोटा था। उससे बड़े दो भाई लवकुश और लवलेश हैं। पूरा परिवार भगौतीपुर में एक होटल चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। घर में सबसे छोटा होने के कारण परिवार वाले उसे सबसे ज्यादा दुलार करते थे।

मृतका रामसहेली अपने किसी भी बेटे के सिर पर सेहरा नहीं देख पाई। तीन बेटों के अलावा उसकी एक पुत्री भी है। रामसहेली सिर्फ उसी का विवाह कर पाई थी। वह अपने बेटों की शादी के लिए रिश्ता देख रही थी। लेकिन शायद ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। जिसने भी घटना के बारे में सुना वह दंग रह गया। घटना के बाद से क्षेत्र में गम का माहौल है। हर तरफ बस इसी दर्दनाक हादसे की चर्चा है।

कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव गोरा निवासी सुनील (29) गांव के बाहर सड़क किनारे लगे पेड़ की डाल काट रहा था। इस दौरान पेड़ के करीब से गुजरी हाईटेंशन तार की चपेट में वह आ गया और करंट लगते ही नीचे आ गिरा। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

साड़ी के फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

डीह (रायबरेली) (ब्यूरो)। थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह विवाहिता का शव संदिग्ध हालात में कमरे के अंदर साड़ी के फंदे से लटका मिला। उसके हाथ में चोट के निशान थे। मोबाइल भी टूटा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच की। विवाहिता की दो महीने पहले शादी हुई थी। पति बाहर रहता था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

प्रतापगढ़ जिले के थाना लीलापुर के गांव जरैया पतुलकी, लक्ष्मनपुर की रहने वाली सुलोचना (२२) की शादी सात जून 2023 को डीह थाना क्षेत्र के शिवपुर मजरे गोपालपुर गांव निवासी सुनील के साथ हुई थी। शादी के बाद पति सुनील अपने भाइयों के साथ गाजियाबाद में रहकर नौकरी करता है। सोमवार की शाम सुलोचना घर पर खाना खाने के बाद अपने कमरे में चली गई। सुबह जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो ससुर जयकुमार सिंह उसे देखने गया। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो शव पंखे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला।

सूचना पर सीओ सलोन अमित सिंह, थानाध्यक्ष जेपी सिंह व फॉरेसिक टीम पहुंची। दरवाजा तोडकर शव को बाहर निकाला गया। मृतका के हाथ में चोट के निशान थे। कमरे में टूटा मोबाइल भी मिला। मृतका के पिता चंद्रशेखर सिंह ने बताया दो महीने पहले बेटी की शादी हुई थी। अचानक उसने यह कदम क्यों उठा लिया। इसके बारे में उसे पता नहीं है। एसओ जेपी सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह सामने आएगी।

संदिग्ध हालात में रेलवे इंजीनियर की मौत

रायबरेली (ब्यूरो)। मिल एरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह रेलवे में तैनात इंजीनियर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सरकारी आवास पर इंजीनियर मृत मिले। पुलिस की मानें तो वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। हार्ट अटैक की आशंका है, लेकिन मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आएगी।

प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र की लालबाग कॉलोनी, राजरूप नगर निवासी शशिभूषण पांडेय (47) रायबरेली रेलवे स्टेशन पर चार साल से इंजीनियर के पद पर तैनात थे। वह अकेले रेलवे कॉलोनी स्थित आवास में रहते थे जबकि उनका परिवार प्रयागराज में रहता है।

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक आवास का दरवाजा नहीं खुला तो अन्य रेलवे कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कुछ देर बाद थानेदार संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची तो देखा कि शशिभूषण बिस्तर पर मृत पड़े हैं। साथी रेलवे कर्मियों की मदद से पुलिस ने घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। भाई रविभूषण पांडेय समेत अन्य परिजन यहां पहुंच गए। थानेदार संजय कुमार सिंह ने बताया कि शशिभूषण पांडेय काफी समय से बीमार थे। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पौत्री से दुष्कर्म, हुई गर्भवती

लहरपुर (सीतापुर) (ब्यूरो)। कोतवाली क्षेत्र में रिश्तों को कलंकित करने का मामला प्रकाश में आया है। यहां एक अधेड़ ने नाबालिग पोती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक गांव निवासी अधेड़ (55) अपनी चचेरी पोती (14) साथ कई महीनों तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता छह माह की गर्भवती हो गई।

दूधिये की धारदार हथियार से हत्या, मौके पर पहुंची पुलिस टीम व फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

(रामकोट) सीतापुर (ब्यूरो)। सीतापुर जिले के थाना रामकोट के खपूरा गांव में मंगलवार देर रात अधेड़ की धारदार हथियार से सिर के पीछे वार कर हत्या कर दी गई। मृतक दूध बेचने का काम करता था। मौके पर पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच में जुटी है। थाना क्षेत्र के खपूरा गांव निवासी प्रेम कुमार (50) पेशे से दूध बेचने का काम करता था। प्रेम खपूरा से दूध लेकर सीतापुर में बेचा करता था। मंगलवार को भी प्रेम दूध लेकर निकला लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया। इसके बाद परिजनों ने खोजबीन की तो देर रात शव मिला।

ग्रामीणों ने बताया कि प्रेम रोज करीब 50 लीटर दूध लेकर सीतापुर जाता था और बेंचकर वापस आता था। मृतक तीन भाइयों में मंझला था। मृतक की पत्नी रेनू, दो लड़के दिलीप, विवेक और एक लड़की गुड़िया का रो रोकर बुरा हाल है। मौके पर सीओ सिटी सुशील सिंह व फोरेंसिक टीम जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम मृतक का अंगोछा और चप्पलें जांच के लिए अपने साथ ले गई है। 6 वर्ष पूर्व मृतक व उसके छोटे भाई बसन्त पर एक अमलेश्वर नामक शख्स की हत्या का आरोप लगा था। वहीं, 2 माह पहले भी मृतक पर हमला हो चुका है।

सीओ सिटी सुशील सिंह ने बताया कि घटना की हर एंगल पर पड़ताल की जा रही है। घटना के शीघ्र अनावरण का प्रयास किया जा रहा है।

रोडवेज बस ने कुचला, पिता की मौत, बेटा जख्मी

रायबरेली (ब्यूरो)। बछरावां कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को हाईवे पर मवेशी से टकराकर बाइक सवार पिता–पुत्र सड़क पर गिर गए। इसी बीच रोडवेज बस ने कुचल दिया। इससे पिता की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि टक्कर मारने वाली बस किस डिपो की थी। बछरावां कोतवाली क्षेत्र के सेहगों पश्चिम निवासी राहुल अपने पिता कमल के साथ जा बछरावां जा रहा था। लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित हसनगंज गांव के पास मवेशी से टकराकर सड़क पर गिर गए।

लखनऊ के सोहन पापड़ी सप्लायर समेत 12 खाद्य व्यापारियों पर मुकदमा

रायबरेली (ब्यूरो)। विधि विश्लेषक प्रयोगशाला लखनऊ और मेरठ की जांच में नमूने फेल होने के बाद खाद्य कारोबारियों पर जुर्माने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय अजीत कुमार राय की स्वीकृति के बाद लखनऊ के सोहन पापड़ी के सप्लायर समेत 12 खाद्य कारोबारियों पर एडीएम प्रशासन के न्यायालय में मुकदमा किया गया है।

पिछले साल मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्र बहादुर यादव के नेतृत्व में टीमों ने जिलेभर में अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे थे। नमूनों की जांच रिपोर्ट आ गई है। टीम ने कन्नावां बछरावां के पास चार अगस्त 2022 को वाहन रोककर सोहन पापड़ी का नमूना भरा गया था। जांच में नमूना फेल होने पर लखनऊ के सप्लायर मां कृपा ट्रेडर्स शॉप–8, लक्ष्मी बाजार खोयामंडी नाका हिंडोला और कारोबारी मुरारखेड़ा थाना माल निवासी सत्येंद्र मौर्या पर मुकदमा किया गया है।

इसके अलावा छेना मिठाई का नमूना फेल होने पर लालगंज क्षेत्र के कोरिहरा सेमरपहा निवासी शिवशंकर, राही निवासी राज कुमार, सरेनी क्षेत्र के भोजपुर निवासी राजेंद्र कुमार, पेड़े का नमूना फेल होने पर नई बाजार सलोन निवासी जय प्रकाश, कालाजाम का नमूना फेल होने पर शहर के चक अहमदपुर निवासी मनोज कुमार पाठक, दूध और खोया का नमूना फेल होने पर जगतपुर भिचकौरा निवासी विनीत सिंह, खोया का नमूना फेल होने पर निहस्था निवासी श्याम लाल गुप्ता, दरीबा निवासी सतीश और सलोन क्षेत्र के करहिया निवासी राज कुमार केसरवानी व कृष्ण श्याम लाल केसरवानी पर मुकदमा किया गया है। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय अजीत कुमार राय ने बताया कि एडीएम प्रशासन के कोर्ट में मुकदमा कराया गया है। सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को मुकदमों में बढ़िध्या पैरवी कर अधिक से अधिक जुर्माना कराने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रीराम हेरिटेज वॉक के रूप में विकसित होगा रामपथ

अयोध्या (ब्यूरो)। रामपथ को श्रीराम हेरिटेज वॉक के रूप में विकसित किया जाएगा। रामपथ पर लगभग 100 स्थानों पर भगवान श्रीराम के जीवन से संबंधित प्रसंगों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके मद्देनजर उच्च श्रेणी की म्यूरल्स (भित्तिचित्र) स्थापित होंगे और अन्य स्थानों पर विभिन्न आर्ट फॉर्म्स या वाल पेंटिंग्स से रामपथ सजाया जाएगा। कमिश्नर गौरव दयाल ने बताया कि दर्शनार्थियोंध्पर्यटकों को श्रीराम हेरिटेज वॉक का अनुभव कराने के लिए अनुभवी एजेंसी को भी मदद ली जाएगी।

उन्होंने बताया कि रामपथ को विश्व स्तरीय पथ बनाने के लिए पहले से ही सजावट संबंधी विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

सात घंटे की रिमांड पर दवा माफिया ने उगले राज

आगरा (संवाददाता)। आगरा में पुलिस ने दवा माफिया को सात घंटे के लिए रिमांड पर लिया। इस दौरान पूछताछ में उसने कई राज उगले। साथ ही खंडहर से लाखों की नकली दवाएं बरामद करवाईं।

ताजनगरी आगरा के बिचपुरी और सिकंदरा में नकली दवाओं की फैक्टरी चलाने वाले विजय गोयल को पुलिस ने मंगलवार को रिमांड पर लिया। सांत घंटे की पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर दो लाख रुपये की दवाएं बरामद की गईं। पुलिस का दावा है कि दवाएं खंडहर भवन में छिपाई थीं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दवाओं के नमूने भी लिए हैं।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और पुलिस ने आठ जुलाई को बिचपुरी और सिकंदरा क्षेत्र में नकली दवा की फैक्टरी पकड़ी थीं। एक में नींद की गोलियां तो दूसरी में सिरप बनाए जा रहे थे। मामले में दो मुकदमे दर्ज किए गए। थाना सिकंदरा में दर्ज मुकदमे में तीन और जगदीशपुरा में दर्ज मुकदमे में चार आरोपियों को नामजद किया गया। सात आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। सरगना विजय गोयल फरार था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में दबिश का दावा कर रही थी। मगर, उसने 21 जुलाई को कोर्ट में समर्पण कर दिया था।

पुलिस ने आरोपी सरगना को रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि मंगलवार सुबह दस से शाम पांच बजे तक की रिमांड मिली थी। इस पर पुलिस जेल से आरोपी को लेकर आई। पूछताछ की गई। इसके बाद उसके बताए स्थान पर पहुंची। एक खंडहर भवन से दवाओं के बंडल मिले। इस दौरान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी रहीं। दवाओं को जब्त कर लिया गया। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि बिचपुरी में मिली दवाओं के तीन नमूने लिए गए हैं। वहीं दो लाख रुपये की दवाएं बरामद की गई हैं। इनमें दो तरह के कोडीन सिरप और अल्प्राजोलम दवा शामिल हैं। इनको जब्त कर लिया गया है।

चौंकाने वाला खुलासा...इसलिए जानबूझकर गुजरात चले गए थे, पुलिस भी हैरान

आगरा (संवाददाता)। आगरा में व्यापारी परिवार के लापता होने के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पूछताछ में बताया कि वह लोग जानबूझकर गुजरात चले गए थे। कारण सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई।

उत्तर प्रदेश के आगरा में ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र स्थित श्रीनगर कॉलोनी निवासी दवा व्यापारी राजेश शर्मा परिवार के साथ खुद भी चले गए थे। उन पर बाजार की दो करोड़ रुपये की देनदारी थी। वह गुजरात के भावनगर में रह रहे थे। उन्होंने यहां किराये पर फ्लैट लिया था। नए सिम भी खरीद लिए थे। पुलिस को एक परिचित के पास कॉल करने पर सुराग मिले। इसके बाद पुलिस परिवार तक पहुंच गई और मंगलवार को आगरा ले आई।

दवा व्यापारी राजेश शर्मा पत्नी सीमा, बेटे अभिषेक, बहू ऊषा, बेटी काव्या और एक साल के नाती विनायक के साथ 15 अप्रैल को नैनीताल घूमने निकले थे। 23 अप्रैल को वापस आने के बाद घर में नहीं रुके। निजी वाहन से जयपुर चले गए थे। होटल में रुकने के बाद लापता हो गए थे। उनके भाई रमाकांत शर्मा ने गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस कारोबारी की तलाश में लगी हुई थी।

थानाध्यक्ष सुमनेश विकल ने बताया कि कारोबारी के मोबाइल नंबर बंद जा रहे थे। इससे कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। पिछले दिनों व्यापारी ने परिचित को कॉल किया। पुलिस ने लोकेशन निकाली तो यह भावनगर की आई। छानबीन कर पुलिस व्यापारी तक पहुंच गई। आगरा आने के बाद राजेश ने बताया कि वह परेशान थे।

बताया कि उन पर दो करोड़ रुपये की देनदारी हो गई थी। बाजार के लोग चक्कर काट रहे थे। वह रुपयों का इंतजाम कर रहे थे। इसलिए चले गए थे। उधर, व्यापारी के मिलने पर कुछ लोगों ने पुलिस से संपर्क किया। बताया कि उनका कुछ रुपया बकाया है। अब वो अपना रुपया वापस चाहते हैं।

यहां के राजा हैं महाकाल

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्रमुख शहर है जो क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है। यह एक अत्यन्त प्राचीन शहर है। यह विक्रमादित्य के राज्य की राजधानी थी। इसे कालिदास की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर 12 वर्ष पर सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल इस नगरी में स्थित है । उज्जैन मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इन्दौर से 55 किमी पर है. उज्जैन के प्राचिन नाम अवन्तिका, उज्जयनी, कनकश्रन्गा आदि है। उज्जैन मन्दिरों की नगरी है। यहां कई तीर्थ स्थल हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 4 लाख है।

देवाधिदेव महादेव

उज्जैन के महाकालेश्वर की मान्यता भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में है। महाकालेश्वर मंदिर का महात्म्य विभिन्न पुराणों में विस्तृत रूप से वर्णित है। महाकवि तुलसीदास से लेकर संस्कृत साहित्य के अनेक प्रसिध्द कवियों ने इस मंदिर का वर्णन किया है। लोक मानस में महाकाल की परम्परा अनादि है। उज्जैन भारत की कालगणना का केंद्र बिन्दु था और महाकाल उज्जैन के अधिपति आदिदेव माने जाते हैं। इतिहास के प्रत्येक युग में-शुंग,कुशाण, सात वाहन, गुप्त, परिहार तथा अपेक्षाकृत आधुनिक मराठा काल में इस मंदिर का निरंतर जीर्णोध्दार होता रहा है। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण राणोजी सिंधिया के काल में मालवा के सूबेदार रामचंद्र बाबा शेणवी द्वारा कराया गया था। वर्तमान में भी जीर्णोध्दार एवं सुविधा विस्तार का कार्य होता रहा है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिण मुखी है। तांत्रिक परम्परा में प्रसिध्द दक्षिण मुखी पूजा का महत्व बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर कोही प्राप्त है। ओंकारेश्वर में मंदिर की ऊपरी पीठ पर महाकाल मूर्ति कीतरह इस तरह मंदिर में भी ओंकारेश्वर शिव की प्रतिष्ठा है।तीसरे खण्ड में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन केवल नागपंचमी को होते है। विक्रमादित्य और भोज की महाकाल पूजा के लिए शासकीय सनदें महाकाल मंदिर को प्राप्त होती रही है। वर्तमान में यह मंदिर महाकाल मंदिर समिति के तत्वावधान में संरक्षित है।

क्षिप्रा घाट

उज्जैन नगर के धार्मिक स्वरूप में क्षिप्रा नदी के घाटों का प्रमुख स्थान है। नदी के दाहिने किनारे, जहां नगर स्थित है, पर बने ये घाट स्थानार्थियों के लिये सीढ़ीबध्द हैं। घाटों पर विभिन्न देवी-देवताओं के नये-पुराने मंदिर भी है। क्षिप्रा के इन घाटों का गौरव सिंहस्थ के दौरान देखते ही बनता है, जब लाखों-करोड़ों श्रध्दालु यहां स्नान करते हैं।

गोपाल मंदिर

गोपाल मंदिर उज्जैन नगर का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। यह मंदिर नगर के मध्य व्यस्ततम क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का निर्माण महाराजा दौलतराव सिंधिया की महारानी बायजा बाई ने सन् 1833 के आसपास कराया था। मंदिर में कृष्ण (गोपाल) प्रतिमा है। मंदिर के चांदी के द्वार यहां का एक अन्य आकर्षण है।

हरसिध्दि

उज्जैन नगर के प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में हरसिध्दि देवी का मंदिर प्रमुख है। चिन्तामण गणेश मंदिर से थोड़ी दूर और रूद्रसागर तालाब के किनारे स्थित इस मंदिर में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा हरसिध्दि देवी की पूजा की जाती थी। हरसिध्दि देवी वैष्णव संप्रदाय की आराध्य रही। शिवपुराण के अनुसार दक्ष यज्ञ के बाद सती की कोहनी यहां गिरी थी।

पुराणों में वर्णित अष्ट भैरव में काल भैरव का स्थ सिंहस्थ कुम्भ

सिंहस्थ उज्जैन का महान स्नान पर्व है। बारह वर्षों के अंतराल से यह पर्व तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि पर स्थित रहता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियां चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारंभ होती हैं और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अंतिम स्नान तक भिन्न-भिन्न तिथियों में सम्पन्न होती है। उज्जैन के महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गए हैं। देश भर में चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। प्रयास, नासिक, हरिध्दार और उज्जैन में लगने वाले कुम्भ मेलों के उज्जैन में आयोजित आस्था के इस पर्व को सिंहस्थ के नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन में मेष राशि में सूर्य और सिंह राशि में गुरू के आने पर यहाँ महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसे सिहस्थ के नाम से देशभर में पुकारा जाता है। सिंहस्थ आयोजन की एक प्राचीन परम्परा है। इसके आयोजन के संबंध में अनेक कथाएँ प्रचलित है। अमृत बूंदे छलकने के समय जिन राशियों में सूर्य,चन्द्र, गुरू की स्थिति के विशिष्ट योग के अवसर रहते हैं, वहां कुंभ पर्व का इन राशियों में गृहों के संयोग पर आयोजन होता है। इस अमृत कलश की रक्षा में सूर्य,गुरू और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे। इसी कारण इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ पर्व मनाने की परम्परा है।

काल भैरव

काल भैरव मंदिर आज के उज्जैन नगर में स्थित प्राचीन अवंतिका

नगरी के क्षेत्र में स्थित है। यह स्थल शिव के उपासकों के कापालिक सम्प्रदाय से संबंधित है। मंदिर के अंदर काल भैरव की विशाल प्रतिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में राजा भद्रसेन ने कराया था।

गढ़कालिका देवी

गढ़कालिका देवी का यह मंदिर आज के उज्जैन नगर में प्राचीन अवंतिका नगरी क्षेत्र में है। कालयजी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के उपासक थे। इस प्राचीन मंदिर का सम्राट हर्षवर्धन द्वारा जीर्णोध्दार कराने का उल्लेख मिलता है। गढ़ कालिका के मंदिर में माँ कालिका के दर्शन के लिए रोज हजारों भक्तों की भीड़ जुटती है। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारिक मंदिर की प्राचीनता के विषय में कोई नहीं जानता, फिर भी माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारतकाल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग के काल की है। बाद में इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार सम्राट हर्षवर्धन द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। स्टेटकाल में ग्वालियर के महाराजा ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

भर्तृहरि गुफा

भर्तृहरि की गुफा ग्यारहवीं सदी के एक मंदिर का अवशेष है, जिसका उत्तरवर्ती दोर में जीर्णोध्दार होता रहा ।

श्री बड़े गणेश मंदिर

श्री महाकालेश्वर मंदिर के निकट हरसिध्दि मार्ग पर बड़े गणेश की भव्य और कलापूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति का निर्माण पद्मविभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास के पिता विख्यात विद्वान स्व. पं. नारायण जी व्यास ने किया था। मंदिर परिसर में सप्तधातु की पंचमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा कृष्ण यशोदा आदि की प्रतिमाएं भी विराजित हैं।

मंगलनाथ मंदिर

पुराणों के अनुसार उज्जैन नगरी को मंगल की जननी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी कुंडली में मंगल भारी रहता है, वे अपने अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए यहाँ पूजा-पाठ करवाने आते हैं। यूँ तो देश में मंगल भगवान के कई मंदिर हैं, लेकिन उज्जैन इनका जन्मस्थान होने के कारण यहाँ की पूजा को खास महत्व दिया जाता है।कहा जाता है कि यह मंदिर सदियों पुराना है। सिंधिया राजघराने में इसका पुनर्निर्माण करवाया गया था। उज्जैन शहर को भगवान महाकाल की नगरी कहा जाता है, इसलिए यहाँ मंगलनाथ भगवान की शिवरूपी प्रतिमा का पूजन किया जाता है। हर मंगलवार के दिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है।

उज्जैन के कई नाम

आज जो नगर उज्जैन नाम से जाना जाता है वह अतीत में अवंतिका, उज्जयिनी, विशाला, प्रतिकल्पा, कुमुदवती, स्वर्णश्रृंगा,अमरावती आदि अनेक नामों से अभिहित रहा। मानव सभ्यता के प्रारंभ से यह भारत के एक महान तीर्थ-स्थल के रूप में विकसित हुआ। पुण्य सलिला क्षिप्रा के दाहिने तट पर बसे इस नगर को भारत की मोक्षदायक सप्तपुरियों में एक माना गया है।

आज का उज्जैन

वर्तमान उज्जैन नगर विंध्यपर्वतमाला के समीप और पवित्र तथा ऐतिहासिक क्षिप्रा नदी के किनारे समुद्र तल से 1678 फीट की ऊंचाई पर 23 डिग्री.50% उत्तर देशांश और 75 डिग्री .50% पूर्वी अक्षांश पर स्थित है। नगर का तापमान और वातावरण समशीतोष्ण है। यहां की भूमि उपजाऊ है। कालजयी कवि कालिदास और महान रचनाकार बाणभट्ट ने नगर की खूबसूरती को जादुई निरूपति किया है। कालिदास ने लिखा है कि दुनिया के सारे रत्न उज्जैन में हैं और समुद्रों के पास सिर्फ उनका जल बचा है। उज्जैन नगर और अंचल की प्रमुख बोली मीठी मालवी बोली है। हिंदी भी प्रयोग में है। उज्जैन इतिहास के अनेक परिवर्तनों का साक्षी है। क्षिप्रा के अंतर में इस पारम्परिक नगर के उत्थान-पतन की निराली और सुस्पष्ट अनुभूतियां अंकित है। क्षिप्रा के घाटों पर जहां प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा बिखरी पडी है, असंख्य लोग आए और गए। रंगों भरा कार्तिक मेला हो या जन- संकुल सिंहस्थ या दिन के नहान, सब कुछ नगर को तीन और से घेरे क्षिप्रा का आकर्षण है। उज्जैन के दक्षिण-पूर्वी सिरे से नगर में प्रवेश कर क्षिप्रा ने यहां के हर स्थान से अपना अंतरंग संबंध स्थापित किया है। यहां त्रिवेणी पर नवगृह मंदिर है और कुछ ही गणना में व्यस्त है। पास की सडक आपको चिन्तामणि गणेश पहुंचा देगी। धारा मुड़कर गई तो क्या हुआ? ये जाने पहचाने क्षिप्रा के घाट है, जो सुबह-सुबह महाकाल और हरसिध्दि मंदिरों की छाया का स्वागत करते है। क्षिप्रा जब पूर आती है तो गोपाल मंदिर की देहली छू लेती है। दुर्गादास की छत्री के थोडे ही आगे नदी की धारा नगर के प्राचीन परिसर के आस-पास घूम जाती है। भर्तृहरि गुफा, पीर मछिन्दर और गढकालिका का क्षेत्र पार कर नदी मंगलनाथ पहुंचती है। मंगलनाथ का यह मंदिर सान्दीपनि आश्रम और निकट ही राम-जनार्दन मंदिर के सुंदर दृश्यों को निहारता रहता है। सिध्दवट और काल भैरव की ओर मुत्रडकर क्षिप्रा कालियादेह महल को घेरते हुई चुपचाप उज्जैन से आगे अपनी यात्रा पर बढ जाती है। कवि हों या संत, भक्त हों या साधु, पर्यटक हों या कलाकार,पग-पग पर मंदिरों से भरपूर क्षिप्रा के मनोरम तट सभी के लिए समान भाव से प्रेरणाम के आधार है।

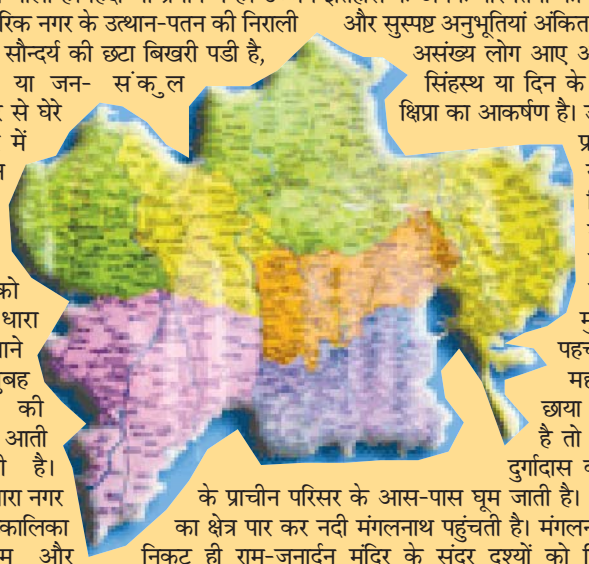

साउथ दिल्ली के फतेहपुर बेरी में महिला की गला घोंटकर हत्या, जंगल में फेंका शव

दक्षिणी दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को जंगल में फेंक दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ताजा जानकारी के मुताबिक, घटना पांच अगस्त की है। पुलिस को फतेहपुर बेरी के जंगल क्षेत्र में अज्ञात महिला का शव मिला था।

इस मामले में गहन जांच के बाद महिला की पहचान 31 साल की स्वीटी के रूप में की गई। आरोप है कि उसकी हत्या उसके पति और दो अन्य लोगों ने की थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता पाई है। मामले में फतेहपुर बेरी पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 302/201/34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी धर्मवीर अपनी पत्नी के व्यवहार से खुश नहीं था क्योंकि वह अक्सर बिना किसी जानकारी के महीनों तक घर से चली जाती थी। उसने खुलासा किया किया। स्वीटी ने कभी भी अपने माता-पिता या परिवार वालों के बारे में नहीं बताया। उसने सिर्फ इतना बताया था कि वह पटना बिहार की रहने वाली है।

घर में घुस कर महिला से छेड़छाड़, विरोध पर फोड़ा सिर

उधर, संगम विहार इलाके में पड़ोस में रहने वाले परिवार के सदस्यों ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर पत्थर से हमला कर महिला का सिर भी फोड़ दिया। महिला की शिकायत पर तीन अगस्त को संगम विहार थाने में छेड़खानी, मारपीट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक पीड़िता अपने परिवार के साथ संगम विहार इलाके में रहती हैं। महिला के दिए बयान के मुताबिक 2021 में उनके पति को ब्रेन हेमरेज हो गया था।

दिल्ली महिला आयोग ने बाल श्रम के लिए मजबूर की गई 14 वर्षीय लड़की को ग्रेटर कैलाश से बचाया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने बाल श्रम के लिए मजबूर की गई 14 साल की एक लड़की को बचाया है। पांच अगस्त को दिल्ली महिला आयोग को एक संगठन 'सिल्वर सेवन' से शिकायत मिली, जिसमें बताया गया कि दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 इलाके में 14 साल की एक लड़की को घरेलू सहायिका के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। आयोग ने तुरंत संस्था के कर्मचारियों से संपर्क किया और उन के साथ स्थानीय पुलिस स्टेशन गए।

आयोग की टीम दिल्ली पुलिस अधिकारियों और संगठन के साथ ग्रेटर कैलाश-1 में घटनास्थल पर गई और 14 वर्षीय लड़की को बचाया। उसे पुलिस स्टेशन लाया गया, वह बहुत डरी हुई और सदमे में थी। वह उस घर में वापस न भेजे जाने के लिए गुहार लगा रही थी। लड़की ने बताया कि वह झारखंड के गिरिडीह जिले की रहने वाली है और उसने 7वीं कक्षा तक पढ़ाई वहीं की है। जब वह बहुत छोटी थी तभी उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई। उसके परिवार में 2 भाई और 2 बहनें हैं। सने बताया कि उसके भाई और भाभी उसे परेशान करते थे और अक्सर उसकी पिटाई करते थे, इसलिए वह अपने घर से भाग गई और 2021 में अपने पड़ोसी के साथ दिल्ली आ गई, जिसने उसे राजधानी में नौकरी दिलाने का वादा किया था। उसने बताया कि गोविंद नाम के व्यक्ति के जरिए उसे घरेलू काम करने के लिए एक घर में रखा गया था और वह डेढ़ साल से अधिक समय से वहां रह रही थी। लड़की ने आगे बताया कि जिस परिवार के साथ वह काम कर रही थी, उसमें चार सदस्य थे। मकान मालिक, उसकी पत्नी और उनके 18 और 13 साल के दो लड़के। उसने कहा कि वह घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी और उसे घर का सारा घरेलू काम करना पड़ता था।

2 अरब से अधिक की ठगी के मास्टरमाइंड ने नौकर के नाम जमा कराया था 30 लाख का सोना, गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्राई फ्रूट धोखाधड़ी मामले के मास्टरमाइंड मोहित गोयल का 30 लाख का सोना कुर्क किया है। सोना को नौकर के नाम से मुथूट फाइनेंस में जमा करके रखा गया था। 12 जनवरी 2021 को सेक्टर-58 थाना पुलिस ने सेक्टर-50 स्थित मेघदूत सोसाइटी के मोहित गोयल और राजस्थान निवासी ओम प्रकाश जांगिड़ को गिरफ्तार किया था। दोनों ने सेक्टर-62 कोरेंथम टावर में दुबई ड्राई फ्रूट एंड स्पाइस हब नाम से फर्जी ट्रेडिंग कंपनी बनाई थी। ये लोग देशभर की विभिन्न फर्मों से मेवे, तेल और मसाले खरीदते थे। फर्म संचालकों का भरोसा जीतने के लिए आरोपी 40 फीसदी कैश एडवांस में देते थे। फिर उनसे लाखों रुपए के मेवे सहित अन्य सामान लेकर बकाया नहीं देते थे। आरोपियों ने देशभर के सैकड़ों लोगों से दो अरब से ज्यादा रुपए की ठगी की थी। गिरोह का मास्टर माइंड मोहित गोयल जेल में बंद है।

अरविंद केजरीवाल ने की कांग्रेस की तारीफ, राहुल को चिट्ठी में लिखा-दशकों तक याद रहेगा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को खत लिखकर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वायनाड से सांसद राहुल गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री व राज्यसभा सदस्य डॉ. मनमोहन सिंह को धन्यवाद दिया है। केजरीवाल ने दिल्ली सेवा बिल के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा में कांग्रेस द्वारा वोटिंग करने के लिए धन्यवाद दिया है।

केजरीवाल ने इससे पहले भी जब सदन में दिल्ली सेवा बिल पास हो गया था, तब एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जहां उन्होंने इस बिल को काला कानून बताया था, वहीं उन सभी पार्टियों को धन्यवाद दिया था जिसने विधेयक के विपक्ष में वोटिंग की थी।

बात- केजरीवाल ने तीनों नेताओं को अलग-अलग खत लिख दिल्ली की दो करोड़ जनता की तरफ से आभार जताया।

केजरीवाल ने लिखी ये

उन्होंने लिखा, मैं दिल से आपकी सराहना करता हूं क्योंकि आपने दिल्ली के लोगों के सांविधानिक हितों को बचाने के लिए संसद के बाहर और भीतर भरसक प्रयास किए।

मुझे उम्मीद है कि संविधान के उसूलों को बचाने की आपकी ये प्रतिबद्धता दशकों तक याद की जाएगी। संविधान को कमजोर करने वालों के खिलाफ चलने वाली लड़ाई में हम आपका सपोर्ट करना जारी रखेंगे।

गाजियाबाद की हाउसिंग सोसायटी में घुसे चोर, सिक्योरिटी गार्ड की फायरिंग में एक की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बीती रात कुछ चोर एक निर्माणधीन हाउसिंग सोसायटी में घुस गये। सोसायटी की सिक्योरिटी में तैनात गार्ड ने जब चोरों को देखा तो उसने उन्हें ललकारा। इस पर चोरों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में गार्ड की तरफ से की गई फायरिंग में एक चोर को गोली लग गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। साथी को गोली लगने के बाद बाकी चोर फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, विजयनगर के सिद्धार्थ विहार स्थित टीएंडटी ग्रुप के निर्माणाधीन यूटोपिया प्रोजेक्ट में रात 9 बजे घुसे हथियारबंद बदमाशों और सोसायटी के सिक्योरिटी गार्डों के बीच फायरिंग हो गई जिसमें एक बदमाश की मौत हो गई। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया कि फायरिंग में जख्मी बदमाश को अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। सुरक्षाकर्मी भूप सिंह द्वारा चलाई गोली से बदमाश की मौत हो गई, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

शहीदी पार्क का शिलान्यास एलजी विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में हुआ

नई दिल्ली। शहीदी पार्क का शिलान्यास एलजी विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में हुआ। शहीदी पार्क को आईटीओ के पास करीब 4.5 एकड़ भूमि पर विकसित किया गया है। इस पार्क की खासियत ये है कि यह पार्क भारत के गौरवमयी इतिहास को अपने अंदर समेटे हुए है।

इस पूरे पार्क लगी कलाकृतियों में वेस्ट मेटिरियल लोहे के खराब सामान, बिजली के खम्भे, पुरानी कारें, ट्रक, पार्कों की ग्रिल, ऑटो मोबाइल पार्ट और पाईप समेत अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है। इन कलाकृतियों को 10 कलाकारों और करीब 700 कारीगरों ने मिलकर करीब छह महीने में विकसित किया है। इस पार्क के निर्माण कार्य में 250 टन से अधिक स्क्रैप का इस्तेमाल किया गया है। पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए चम्पा,, फाइकस बैनजामिना, फरकेरिया, ऐरिका पॉम, सिंगगोनियम समेत अन्य प्रजाति के 56 हज़ार पेड़-पौधे लगाए गए हैं। इस पार्क में आगंतुकों के लिए विभिन्न सेवाओं का प्रबन्ध किया गया है। इसमें स्मारिका की दुकानें व फूड कियोस्क आदि शामिल है। पार्क को 9 भागों और 3 चित्रशालाओं में बांटा गया है। शहीदी पार्क में प्रवेश करने के साथ ही आपका भारत के गौरवमयी इतिहास से परिचय की शुरूआत हो जाएगी। प्रवेश करने के साथ ही आप शकुंतला पुत्र भरत और भारत माता की विशाल मूर्ति से रूबरू होंगे। इसके बाद आपको बीसी 315 से एडी

1044 तक के भारत के स्वर्णिम युग की झलक देखने को मिलेगी। इसमें आपको राजा पोरस, चाणक्य-चंद्रगुप्त, सम्राट अशोक, समुन्द्रगुप्त, राजा हर्षवर्धन, मिहिर भोज, और राजेंद्र चोला की मूर्तियां देखने को मिलेंगी।

भारत के स्वर्णिम युग की झलक पेश करने के बाद शहीदी पार्क में भारत के वीर सपूतों की विदेशी आक्रमण के खिलाफ लड़ाई की कई कलाकृतियां देखने को मिलेंगी। महाराणा हमीर देव, राणा कुम्भा, हरिहर बुक्का, राणा सांगा, हेमू, राजा छत्रसाल, पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और महाराजा सूरजमल की मूर्तियां आपको विदेशी आक्रांताओं के साथ हुए युद्ध से रूबरू कराएंगी। अब आगे आप माराठा सम्राट (1282 से 1763 एडी) से परिचित होंगे। यहां आपको छत्रपति शिवाजी, सम्भा जी महाराज, साहूजी महाराज, बालाजी विश्वनाथ, पेशवा, बाजीराव सदाशिव राव भोसले, महादाजी सिंधिया के इतिहास के बारे में जानने को मिलेगा। इसके बाद सिख सम्राट (1670 से 1839 एडी) के बारे में जानने को मिलेगा। यहां बंदा बहादुर, बाबा दीप सिंह, जस्सा सिंह, मइबग्गो, महाराजा रणजीत सिंह और हरि सिंह नालवा के इतिहास से परिचित होंगे। इन चरणों से आगे बढ़ते हैं, तो आपको प्रथम भारतीय स्वाधीनता संग्राम (1818 से 1858 एडी) से परिचय कराया जाएगा। इसमें रानी चेनम्मा, अहोम विद्रोही, मंगल पांडेय, लक्ष्मी बाई, तत्वा टोपे, वीर कुंवर सिंह की कलाकृतियां देखने को मिलेगी। इसके बाद जन आंदोलन संस्कृति व समाजिक जागरण और स्वदेशी आंदोलन (1770 से 1990) के बारे में जानने को मिलेगा। यहां आपको सन्यासी विद्रोह, आदिवासी विद्रोह, राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानंद, ईश्वर चंद्र विद्या सागर, गोविंद राव फूले, बिरसा मुंडा और स्वामी विवेकानंद के बारे में जानने को मिलेगा।

दिल्ली सरकार की आंगनवाड़ियों को मिल रहा बेहतर अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन और पोषण

नई दिल्ली। महिला एवं बाल-विकास मंत्री आतिशी ने मंगलवार सुबह लक्ष्मी नगर स्थित केजरीवाल सरकार के आंगनवाड़ी सेंटर का दौरा किया। विजिट के दौरान डब्ल्यूसीडी मंत्री ने केंद्र में बच्चों और आंगनवाड़ी वर्कर्स से बातचीत की, एक्टिविटीज में भाग लिया तथा वहां मौजूदा सुविधाओं की पड़ताल की। मंत्री आतिशी ने यहां बच्चों को मिल रहे भोजन की स्वयं खाकर जांच भी की और अधिकारियों को बच्चों के पसंद के अनुसार न्यूट्रिशियश मेन्यू तैयार करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली सरकार द्वारा हाल में ही लॉन्च किए गये खेल पिटारा किट का बच्चों की लर्निंग पर क्या प्रभाव रहा है उसका इंपैक्ट स्टडी करने का भी निर्देश दिया।

आतिशी ने कहा कि अपने स्कूलों को शानदार बनाने के बाद अब केजरीवाल सरकार अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन को वर्ल्ड-क्लास बनाने की दिशा में काम कर रही है। हम अपनी आंगनवाड़ियों को उस हर जरूरी सुविधा से लैस कर रहे है, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक बने। साथ ही इस

दिशा में सरकार आंगनवाड़ी वर्कर्स के लिए ख़ास ट्रेनिंग भी डिज़ाइन कर रही है। उन्होंने कहा कि 1-6 साल की उम्र में जब बच्चे आंगनवाड़ी में आते हैं तो वे कितने जिज्ञासु होते हैं। वे अपने आस-पास की हर चीज के बारे में जानने के लिए उत्सुक होते हैं। रिसर्च भी बताते है कि एक बच्चे के मस्तिष्क का सबसे ज़्यादा विकास 0-6 साल की उम्र के दौरान होता है। ऐसे में हमारी आंगनवाड़ी वर्कर्स ये सुनिश्चित कर रही है कि यहां आने वाले हर बच्चे को बेहतर शिक्षा और पोषण मिले ताकि वो सीखने के क्रम में पीछे न छूटे।

नोएडा में दो ने की आत्महत्या, महिला समेत 3 की संदिग्ध मौत

नोएडा। विभिन्न जगहों पर रहने वाले 2 लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर लिया। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस-वन क्षेत्र में रहने वाले अनुज पुत्र राकेश मूलनिवासी जनपद बुलंदशहर उम्र 23 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। वह हरौला गांव में रहता था।

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि जनपद बुलंदशहर के अरनिया थाना क्षेत्र के रहने वाले वरुण प्रताप सिंह पुत्र विनय कुमार सिंह उम्र 23 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर-128 स्थित जेपी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि नोएडा के थाना सेक्टर 126 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-24 क्षेत्र में रहने वाली सरिता सिंह पत्नी आजाद सिंह उम्र 59 वर्ष की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में रहने वाली श्रीमती प्रीति की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में रहने वाले प्रवेश कुमार पुत्र जसबीर सिंह उम्र 37 वर्ष की संदीप की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-58 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केजरीवाल सरकार ने पश्चिमी रेलवे के बहुमंजिला आवासीय भवन के निर्माण का रास्ता हुआ साफ

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने अरकपुर बाग मोची में बनने वाले पश्चिमी रेलवे के बहुमंजिला आवासीय भवन के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। दिल्ली सरकार ने 96 पेड़ों को हटाने के उत्तर रेलवे के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट के लिए कोई भी पेड़ नहीं काटा जाएगा और सभी 96 पेड़ों को शकूरबस्ती के पास चयनित स्थल पर प्रत्यारोपित किया जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रहित में प्रस्ताव को मंजूरी देकर परियोजना का रास्ता साफ कर दिया। प्रस्ताव को इस शर्त पर मंजूरी दी है कि उत्तर रेलवे योजना के अनुसार 96 मौजूदा पेड़ों का प्रत्यारोपण और 960 नए पौधे लगाएगा।दिल्ली सरकार से उत्तर रेलवे ने मोती बाग के पास के स्थान पर कुल 162 पेड़ों में से 96 पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने का अनुरोध किया

था। इसके बाद उत्तर रेलवे के अधिकारियों के साथ वन विभाग के अधिकारियों ने परियोजना स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया गया। मामले पर एक रिपोर्ट पश्चिम वन प्रभाग के वृक्ष अधिकारी (डीसीएफ) को दी गई, जिन्होंने इसकी जांच की। वृक्ष अधिकारी के अनुसार क्षेत्र में पेड़ों की कुल संख्या 162 है और इसमें से 96 पेड़ों को प्रत्यारोपण के लिए प्रस्तावित किया गया। साथ ही एक भी पेड़ को न काटने और न छांटने का प्रस्ताव दिया गया।

वहीं इसके एवज में 1.1136 हेक्टेयर क्षेत्र पर वृक्षारोपण किया जाएगा। यह जमीन मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास रामपुरा, शकूरबस्ती और मस्जिद हजरत सैयद भूरेशाह के पास उपलब्ध है। वन विभाग के अधिकारियों ने साइट का निरीक्षण किया और पाया कि दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के अनुसार 960 पौधे लगाने के लिए यह जगह पर्याप्त है। दिल्ली सरकार ने उत्तर रेलवे से कहा है कि वह साइट पर उन पेड़ों के अलावा एक भी पेड़ को नुकसान न पहुंचाए, जिनकी सरकार द्वारा मंजूरी दे दी गई है। यदि स्वीकृत पेड़ों के अलावा किसी भी पेड़ को नुकसान पहुंचाया जाता है तो दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत अपराध माना जाएगा।

दिल्ली सरकार ने कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के निर्माण का रास्ता किया साफ

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के निर्माण कार्य में आ रही बाधा को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट में बांधक बन रहे 107 पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने या हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। अशोक रोड पर बनाई जा रही कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के निर्माण कार्य में अब तेजी आ सकेगी। इसमें केंद्र सरकार के प्रशासनिक कार्यालय होंगे। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने साइट पर बिल्डिंग निर्माण के चलते प्रभावित 107 पेड़ों को हटाने व ट्रांसप्लांट करने का प्रस्ताव दिया था। मुख्यमंत्री ने उस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी देकर प्रोजेक्ट का रास्ता साफ कर दिया। संबंधित एजेंसी को 107 पेड़ों को हटाने व ट्रांसप्लांट करने की एवज में 1070 नए पौधे लगाने की शर्त का कड़ाई से पालन करना होगा।

प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए दिल्ली सरकार ने कहा है कि संबंधित एजेंसी के रूप में सीपीडब्ल्यूडी सभी 107 पेड़ों का प्रत्यारोपण करेगा और वो किसी भी पेड़ की कटाई नहीं करेगा। सभी पेड़ों का प्रत्यारोपण बदरपुर स्थित एनटीपीसी इको पार्क में होगा। दिल्ली सरकार ने सीपीडब्ल्यूडी से कहा है कि वह साइट पर ट्रांसप्लांटेशन के लिए चिंहित पेड़ों के अलावा एक भी पेड़ को नुकसान न पहुंचाए। यदि स्वीकृत पेड़ों के अलावा किसी अन्य पेड़ को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत अपराध माना जाएगा। दिल्ली सरकार ने सीपीडब्ल्यूडी के लिए पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण की एवज में 10 गुना पेड़ लगाना अनिवार्य किया है। इसलिए विभाग पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए चिन्हित स्थल पर 1070 नए पेड़ लगाने के लिए बाध्य है। अब वो एनटीपीसी इको पार्क में 107 पेड़ों का प्रत्यारोपण करने के अलावा 1070 नए पेड़ पौधे लगाएंगे। इन पेड़ों को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 की धारा 12 के तहत वृक्ष अधिकारी/उप वन संरक्षक को मंजूरी और विस्तृत वृक्षारोपण प्रोग्राम पेश करने की तारीख से 4 महीने के भीतर चिन्हित भूमि पर लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, सीपीडब्ल्यूडी सात साल तक पेड़ों के रखरखाव की जिम्मेदारी लेगा। दिल्ली सरकार के अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार, पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण के बदले में दिल्ली की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे।

महिला आयोग ने ईडब्ल्यूएस मरीजों के साथ भेदभाव करने वाले एक निजी अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करवायी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के मरीजों के साथ गलत व्यवहार करने और उनके साथ भेदभाव करने के आरोप में शहर के एक निजी अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करवाई है। आयोग की पूर्व सदस्य जूही खान से आयोग को अस्पताल द्वारा दुर्व्यवहार के संबंध में एक शिकायत दर्ज़ करवाई। उन्होंने बताया कि एक निजी अस्पताल - मधुकर रेनबो हॉस्पिटल, मालवीय नगर ईडब्ल्यएस श्रेणी के मरीजों के साथ भेदभाव कर रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल इन मरीजों को पहचान कर अलग कर रहा है और उन्हें अस्पताल के बेसमेंट (कार पार्किंग में) में एक अलग क्षेत्र में बैठाया जा रहा है, जहां बैठने की कोई उचित सुविधा और एयर कंडीशनर नहीं है। आरोप है कि महिला एवं बाल रोगियों को अमानवीय परिस्थितियों में बैठने को मजबूर किया गया। यह भी आरोप लगाया गया कि ईडब्ल्यूएस मरीजों को नियमित डॉक्टरों के बजाय अलग-अलग डॉक्टरों द्वारा देखा जा रहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक को नोटिस जारी किया और मामले में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। आयोग के नोटिस के बाद डीजीएचएस की एक टीम ने अस्पताल में औचक निरीक्षण किया और वहां कई खामियां देखीं। उन्होंने देखा कि अस्पताल के प्रवेश और निकास द्वार पर ईडब्ल्यूएस डिस्प्ले बोर्ड गायब था और रिसेप्शन क्षेत्र पर निगरानी समिति के सदस्यों के नाम प्रदर्शित करने वाला बोर्ड भी गायब था। उन्होंने यह भी देखा कि ईडब्ल्यूएस रोगी के इलाज के लिए डॉक्टर का कमरा बहत छोटा था और परीक्षण के लिए मुश्किल से ही कोई जगह थी। इसके अलावा, ईडब्ल्यूएस रोगियों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र और ओपीडी काउंटर बिना किसी बुनियादी सुविधाओं या वहां तक पहुंचने के लिए उचित दिशा-निर्देश/चिह्न/संकेतकों के बिना बेसमेंट में स्थित था। इसके अलावा, ईडब्ल्यूएस ओपीडी रजिस्टर में मरीजों की पूरी जानकारी जैसे संपर्क नंबर आदि ठीक से दर्ज़ नहीं थे। अस्पताल में देखी गई समस्याओं पर कार्रवाई करते हुए डीजीएचएस ने उन्हें सधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। डीजीएचएस ने अस्पताल से प्रवेश और निकास द्वार पर ईडब्ल्यूएस बोर्ड और रिसेप्शन क्षेत्र में निगरानी समिति के नाम वाला बोर्ड लगाने को कहा है। साथ ही, अस्पताल को ईडब्ल्यूएस और भुगतान श्रेणी के मरीजों के क्षेत्र को अलग करने की प्रथा को खत्म करने का निर्देश दिया गया है और उन्हें दोनों श्रेणियों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र समान रखने का निर्देश दिया गया है। उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है कि ईडब्ल्यूएस मरीजों के इलाज की सुविधाएं भगतान श्रेणी के मरीजों के बराबर होनी चाहिए।

खबर दृष्टिकोण स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210